हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 जून, 2005

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 9 जून 2005

पृश्ठ संख्या

सदस्यो द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान	(1)1
भाोक प्रस्ताव	(1)1
भापथ/प्रतिज्ञान	(1)10
स्थगन प्रस्ताव की सूचना/वाक आउट	(1)11
तरांकित प्र न एवं उत्तर	(1)13

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(1)30
अतरांकित प्र न एवं उत्तर	(1)33
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(1)38
(क) अध्यक्ष द्वारा	(1)38
(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची	(1)38
(ii) सदस्यो द्वारा त्याग पत्र	(1)38
(iii) अनुपस्थित की सूचना	(1)39
(ख) सचिव द्वारा	(1)39
राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलो सम्बन्धी	(1)39
नियम 21 के अधीन प्रस्ताव	(1)39
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)40
सदन के मेज पर रखे गए पुन रखे गए कागज	(1)42
वर्श 2005–06 के बजट अनुमान प्रस्तुत करना	(1)45

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 9 जून, 2004

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार एच0एस0 चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

सदस्यो द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I call u pon Shri Bhupinder Singh, Hooda, a members who has returned in the Bye-election from 29, Kiloi Assembly Contituency and Smt. Kiran Chaudhary, a members, who has returned in the Bye-election from 67, Tosham Assembly Constitueny of the Haryana Legislative Assembly held on 2nd June, 2005 to subscribe oath/affimation of allegiance to the Constitution of India.

I will also reques them for siging the Roll of Members, pleaced on the Secretary's table after making subscibe oath/affimation of allegiance.

(At this stage Shri Bhupender Singh Hooda and Smt. Kiran Chaudhary, subscribed oath/affirmation of allegiance to the Constitution of India.)

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Chife Minister will make obituary referenes.

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बीच मे से हमारे बहुत

प्रमुख सदस्य, स्वतन्त्रता सेनानी एक एक करके हमे छोड कर जा रहे है। इसके साथ ही इस विधान सभा के दो सदस्य भी जो मंत्री मंडल के सदस्य थे, हमे छोडकर चले गए है। उनके चले जाने से जो नुकसान हुआ है वह बर्दा ात करना सभंव नही है। उनको उनके परिवार वालो ने, हरियाणा की जनता ने और हमने भी खोया है। इसी प्रकार से श्री सुनील दत भी जो हरियाणा के ही थे वे हमे छोड कर चले गए। अध्यक्ष महोदय, मै आप की इजाजत से भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हू।

श्री सुनील दत, एक प्रसिद्ध अभिनेता एवम केन्द्रीय मंत्री

यह सदन एक प्रसिद्ध अभिनेता एवम केन्द्रीय मंत्री श्री सुनील दत के 25 मई, 2005 को हुए दुखद व आकस्किम निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 जून, 1929 को हुआ। उन्हे जिला यमुनानगर के गांव मडोली से वि ोश लगाव था, क्योकि उनका परिवार दे ा के विभाजन उपरान्त इस गांव मे आ बसा था। वे सच्चे दे ाभक्त एवम धर्मनिर्पेक्षता की प्रतिमूर्ति थे। पण्डित जवाहरलाल नेहरू के आ ीर्वाद से श्री सुनील दत व उनकी पत्नी श्रीमती नरगिस ने अजन्ता आट्र्स वैलफेयर टूप का गठन किया ता 1962 के भारत चीन युद्ध और 1965 एमव 1971 के भारत पाक युद्धो के दौरान भारतीय सेना के जवानो का मनोरजंन करने के लिए दे ा की सीमाओ पर गए।

वे 1984,1989,1991,1999 तथा 2004 मे लोक सभा के लिए चुने गए। वे 2004 मे केन्द्रीय खेल एवम मामलो के मंत्री बने

और निधन के समय तक इस पद पर रहे। मंत्री के रूप मे वे खेलो के स्तर पर सुधार तथा खिलाडियो के कल्याण को समर्पित थे। ये युवाओ की समस्याओ के समाधान के लिए सदैव प्रयत्न ील रहते थे।

उन्हे जितना पर्दे पर अभिनय करने के लिए याद किया जाएगा। उतना ही भाान्ति और साम्प्रदायिक सदभाव के लिए मुहिम चलाने तथा कैसंर पीडितो की सेवा के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होनें अपना फिल्मी जीवन 1955 मे फिल्म ''रेलवे प्लेटफार्म' से भाुरू किा तथा 1957 मे कालजयी फिल्म मदर इण्डिया से वे अपने अभियान के चरम पर पहुचे। उन्होने 100 से अधिक फिल्मो मे अभिनय करके द र्काको को अभिभूत किया। उन्होने अनेक सफल फिल्मो का निर्दे ान भी किया। उनकी पत्नी नरगिस के 1981 मे कैंसर के कारण हुए निधन के बाद उन्होने अपना जीवन कैंसर पीडितो के इलाज के लिए धन जुटाने एवम सामाजिक कार्यो के लिए समर्पित कर दिया। उन्होने 1987 मे मुम्बई से अमृतसर तक पदयात्रा की तथा स्वर्ण मन्दिर मे भाान्ति के लिए अरदास की। इसके एक वर्श बाद वे परमाणु हथियारो के विरूद्व अपना विरोध दर्ज करने के लिए नागासाकी तथा हीरोि ाामा गए।

उन्होने अपने जीवन मे जो भी भूमिका निभाई वह बेजोड थी। उन्हे अनेक पुरस्कारो से अलंकृत किया गया, जिनमे फिल्य फेयर बैस्ट एक्टर अवार्ड, 1968 मे पदमश्री, 1988 मे अंतर्राश्ट्रीय भाान्ति, साम्प्रदायिक सद्भाव, एकता एवम राश्ट्रीय अखंडता, के लिए खान अब्दुल गफ्फार खान अवार्ड, 1997 मे

राश्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद अवार्ड, 1998 मे राजीव गांधी राश्ट्रीय सद्भावना आवार्ड तथा 2004 मे हरियाणा गौरव अवार्ड भाामिल है। व्यक्तिगत तौर पर भी वे मेरे मित्र थे और लोक सभा मे भी वे मेरे साथी रहे। उनका स्वभाव सबको साथ लेकर चलने का था।

उनके निधन से भारत वि ोशकर हरियाणा अपने एक महान सपूत, एक प्रसिद्ध समाजसेवी, अनुभवी सांसाद, सुप्रसिद्ध अभिनेता एवम यौग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है यह सदन दिवगंत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

श्री सुरेन्द्र सिंह हरियाणा के मंत्री

यह सदन हरियाण के मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह के उतर प्रदे ा के सहारनपुर जिले मे एक ह्रदय विदाकर हैलीकाप्टर दुर्घटना मे 31 मार्च, 2005 को हुए दुखद व आकस्किम निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 25 जुलाई, 1946 को हुआ। हरियाणा की राजनीति के चमकते सितारे श्री सुरेन्द्र सिंह ने राजनीति को पाठ अपने पिता श्री बसी लाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा की छत्रछाया मे सीखा। वे प्रजातान्त्रिक मूल्यो के प्रबल समर्थक थे। उन्होने अपने कठोर परिश्रम, सघर्श व लगन के बलबूते पर राज्य एवम राश्ट्र की राजनीति मे एक वि िाश्ट स्थान बनाया। वे 1977 से 1986 तक हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे और 1982–83 के दौरान मंत्री रहे। वे 1986 से 1992 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वे दो बार

1996 तथा 1998 मे लोकसभा के लिये चुने गये। वे अनेक संसदीय समितियो के सदस्य भी रहे। वे 2005 मे पुनः हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और मंत्री बने।

वे किसानो की समस्याओ को भली भान्ति समझते थे तथा कृशि और किसान से उन्हे वि ोश लगाव था। उनके निधन से कुछ ही देर पहले उनकी कलम से निकला अन्तिम आदे ा भी किसानो के हित मे था।

दृढ नि चयी एवम साहसी श्री सुरेन्द्र सिंह हरियाणा के विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध थे तथा इसके लिए उनका एक स्पश्ट दृश्टिकोण था। वे ईमानदार, सादगी एवम अनु ाासन की प्रतिमूर्ति थे। वे युवाओ के लिए प्रेरणास्त्रोत थे, जिन्हे उनसे बहुत आ ाए थी लोकसभा मे साथ साथ सदस्य रहे और जब भी लोकसभा मे कोई सीरियस मामला होता था तो स्पीकर साहब, उनको कहते थे ताकि वे हाउस मे कोई ऐसी बात कहते थे जिससे कि हाउस लाइट हो जाता था तो जो लोकसभा मे खिचाव होता था उसको दूर करने मे सहायक रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद एवम यौग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है यह सदन दिवगंत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

श्री ओम प्रका ा जीन्दल, हरियाणा के मंत्री

यह सदन हरियाण के मंत्री श्री ओम प्रका ा जिंदल के उतर प्रदे ा के सहारनपुर जिले मे एक ह्रदय विदाकर हैलीकाप्टर दुर्घटना मे 31 मार्च, 2005 को हुए दुखद व आकस्किम निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

मैन आफ स्टील के नाम से प्रसिद्ध श्री ओम प्रका ा जिंदल का जन्म 7 अगस्त, 1930 को हुआ। उन्होने एक छोटे उधमी से औधोगिक जीवन की भाुरूआत की और वे कठोर परिश्रम के बलबूते पर एक सफल उधोगपति बने। आज जिंदल औधोगिक समूह का न केवल भारत मे बल्कि दुनियाभर मे नाम है। उनकी यह सोच थी भारत, उधोग के हर क्षेत्र मे आत्मनिर्भर बने। वे उधोग एवम कृशि क्षेत्र मे भारतीय परीस्थितियों के अनुसार वि व का अत्याधुनिक प्रौधोगिक का प्रयोग करने के पक्षधर थे।

वे एक सफल उधोगपति होने के साथ साथ कु ाल राजनीतिज्ञ भी थे। वे 1991 तथा 2000 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे 1996 मे लोक सभा के लिये भी चुने गये। वे 2005 मे पुनः हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और मंत्री बने।

वे व्यवसाय व राजनीतिक व्यस्तताओ के बावजूद भी धार्मिक और सामाजिक कार्यो मे पूर्ण रूचि लेते थे। वे आर्थिक एवम सामजिक समानता के पक्षधर थे और इस दि ाा मे उन्होने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उनका जीवन उधोगपति, समाजसेवी एवम एक सफल राजनीतिज्ञ के रूप मे केवल हरियाणा के लोगो अपितु पूरे दे ा के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। मेरे को

सौभाग्य प्राप्त हुआ कि हम लोकसभा मे भी साथ रहे और विधानसभा के भी साथ रहे, हर मामले पर जो भी जनकल्याण की बात होती थी उसमे वे पूरा सहयोग करते थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद एवम यौग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है ंयह सदन दिवगंत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतत्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियो के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने हमारे दे ा की आजादी के संघर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैः—

1. श्री बी0के0 भाारदा, भिवानी।

2. श्री भयोदत, गांव कासनी कंला, जिला भिवानी।

3. श्री जगमाल सिंह, गांव पुनसिका, जिला रेवाडी।

4. श्री भाी ाराम, गांव कितलाना, जिला भिवानी।

5. श्री सूरत सिंह, गांव सच्चाखेडा, जिला जीन्द।

6. श्री घन याम दास, गांव भााहबाद, जिला कुरूक्षेत्र।

7. श्री पाखर सिह विर्क, गांव सलेमपुरी, जिला फतेहबाद।

8. श्री सुन्दर सिंह, गांव रायपुर, जिला सोनीपत।

9. श्री रामस्वरूप, तिलक नगर, रोहतक।

10.श्री सूबे सिंह, गांव झाडली, जिला झज्जर।

11. श्री करतार सिंह, गांव झोरनाली (ढाणी खोबा), जिला सिरसा।

12. रतन सिंह, गांव सैम्पल, जिला रोहतक।

13. श्री बुट्टी राम, गांव खेडी होि ायापुर, जिला झज्जर।

14. श्री प्रभुदयाल, गांव निमोठ, जिला रेवाडी।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिको को अपना आश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने हमारे एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः—

1. सुबेदार कर्मचन्द, गांव दमदमा, जिला गुडगांव।

2. उप निरीक्षक ई वर सिंह, गांव बहहाणा, जिला झज्जर।

3. हवलदार मालाराम, गांव सिसोठ ढाणी टेकचन्द, जिला महेन्द्रगढ।

4. हवलदार रिसाल सिंह, सिवानी, जिला भिवानी।

5. हवलदार श्रीपाल, गांव भाटला, जिला हिसार।

6. हवलदार रण्बीर सिंह, गांव कितलाना, जिला भिवानी।

7. हवलदार धर्मपाल, नारनौंद, जिला हिसार।

8. हवलदार सूरजभान, गांव चरखी, जिला भिवानी।

9. सिपाही प्रताप सिंह, गांव बापोडा, जिला भिवानी।

10. सिपाही भयामलाल, गांव चन्दू ढाणी ओमनगर जिला गुडगांव।

11. सिपाही सुरेन्द्र सिंह, गांव इमलोटा, जिला भिवानी।

12. सिपाही कृश्ण कुमार, गांव कुरलन, जिला करनाल।

13. सिपाही जयवीर, गांव किठाना, जिला कैथल।

14. सिपही उमेद सिंह, गांव लाड, जिला भिवानी।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

यह सदन

संसद श्री अवतार सिंह भडाना के भाई तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रामकि ान के ससुर, **श्री संत सिंह** तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री नरे ा मलिक की भाभी **श्रीमती अनीता देवी** के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता है।

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, जो प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी ने सदन के पटल पर रखा है उसमे अपने आपको जोडने के लिए मै यहां खडा हुआ हू। स्पीकर सर, श्री सुनील दत का व्यक्तिव कोई भाब्दो का मोहताज नही था, हम सबको इस बात का हमे ाा फरख रहेगा कि उन्होने हरियाणा की मिट्टी मे जन्म लिया। श्री सुनील दत ने कई प्रकार के रोल अदा किए। एक राजनेता के तौर पर, एक अभिनेता के तौर पर, एक समाजसेवी के तौर पर और सबसे महत्वपूर्ण भाान्ति के दूत के तौर पर भाायद इसीलिए पूरा हिन्दुस्तान उन्हे एक भाान्ति के दूत के नाम से जानता था। जब जब सुनील दत का नाम लिया जाता था, भाान्ति का दूत लब्ज अपने आप यकायक सभी दला, सभी व्यक्तियो और सभी धर्मो के लोगो के मुखर्विन्द पर आ जाता था। चाहे बाम्बे मे दंगो की बात हो, चाहे पजांब मे हिसां की बात हो, चाहे परमाणु अस्त्रो के खिलाफ एक राश्ट्रव्यापी, दे ाव्यापी और वि वव्यापी युद्ध चलाने की बात हो, चाहे आपसी सामन्जस्य और सद्भाव बढाने की बात हो और चाहे गुजरात दंगो के बाद जगह जगह जाकर जरूरतमन्दो के आंसु पोछने की बात हो। भाान्ति और

सद्भाव का सन्दे ा पूरे दे ा के अन्दर और पूरे वि व मे ले जाने की बात हो, सुनील दत जी ने कभी पीछे मुडकर नही देखा। यह सच है कि उनके जाने से पूरे राश्ट्र को ऐसी कमी रहेगी जो ने केवल भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस बल्कि पूरा भारत दे ा कभी भी उसकी भरपाई नही कर पायेगा। हम सभी साथी ही नही बल्कि यह पूरा सदन उनको श्रद्धाजलि देता है।

स्पीकर सर, इस सदन के माननीय सदस्य और सरकार मे मंत्री चौधरी सुरेन्द्र सिंह का आकस्मिक निधन हम सभी जानते है कि हेलीकाप्टर दुर्घटना मे हुआ। स्पीकर सर, चौधरी सुरेन्द्र हिस का व्यक्तित्व भी भाब्दो का मोहताज नही था और न ही राजनीति दायरो को मोहताज था। स्पीकर सर, आपने एक से अधिक बार उनके साथ बतौर विधान सभा के सदस्य और बतौर विधान सभा के अध्यक्ष तौर पर कार्य किया है। मुझे सौभाग्य प्राप्त था कि वे वही पर बैठते थे। सदन मे कोई भी बात हो, हमे ाा उनका कन्ट्रीब्यू ान रचनात्मक होता था, सहयोग वाला होता था और बार बार वे विपक्ष के सदस्यो को एक ही बात कहा करते थे कि मुझे आज भी याद है कि हम किसी की आवाज को दबायेगे नही बल्कि आप आलोचना कीजिए हम उसका स्वागत करेगे। चौधरी सुरेन्द्र सिंह का जो व्यक्तिव्व था जो उनका उदार ह्रदय था, सहजता से सभी दलों के लोगो को सभी विचारधारा के लोगो को अपने आप मे वह मोह होता था। उनका मुस्कराता हुआ चेहरा जब जब भी हम इस सदन के अन्दर आएगे तो वह हमे दिखाई देता महसूस होगा। हम समस्या को बडी सहजता से लेने वाला चेहरा, हम मु कल को मिनटो मे चुटकियों मे हल करने वाला

चेहतरा मुझे नही लगता कि हम मे से कोई सदस्य हो यहा हरियाणा या पूरे प्रदे ा का कोई भी निवासी हो जिनका उनको साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुडाव रहा हो, वह उनको भुला नही पाएगा। हमे जंहा इस बात का दुख है कि आज वे हमारे बीच मे नही है और उनके निधन से होने वाले नुकसान की हम भरपाई नही कर पाएगे। इसके साथ साथ हमे इस बात की खु ाी भी है कि उस परिपाटी को, उसी बात को लेकर उसी म ाल को लेकर, उसी भामां को लेकर जो उन्होने जलाई थी उनकी धर्मपत्नी जी आज हमारे बीच मे है। हम सब का यह प्रयास रहेगा कि जो उन्होने खेतीबाडी के लिए, नौजवानो के लिए या दूसरो कामो के लिए बुनियाद रखी थी, यह सदन उन नीतियो पर, उन कार्यो पर न केवल विचार विर्म ा करे बल्कि उनको क्रियान्वित करने की कोि ा ा करे। खासतौर से मुख्यमंत्री जी ने कहा कि व्यक्तिगत तौर से जिनका उनके साथ जुडांव रहा, मुझे नही लगता कि वे उनको भूला पाएगे। यह सदन या प्रान्त उनके निधन से होने वाले नुकसान को कभी पूरा नही कर पाएगा।

अध्यक्ष महोदय, हमारे दूसरे वरिश्ठ मंत्री श्री ओमप्रका ा जिन्दल जी, जिनको सब बाउजी के नाम से पुकारते थे। वे आज हमारे बीच मे नही है। जब जब जिन्दल साहब के पास भिन्न भिन्न राजनैतिक दलो के लोग और भिन्न भिन्न विचार धाराओ के लोग जाते थे तो वे एक ही बात कहते थे, ठीक है कि राजनैतिक मे हम एक तरफ है, आज दूसरी तरफ है, हमारे और आपके वैचारिक मतभेद हो सकते है। लेकिन हमे ाा कहते थे कि समाज और परस्परिक रि ते राजनीतिक विरोध से परे है उन्होने

यह साबित कर के दिखाया कि किस तरह से एक साधारण परिवार मे रहने वाला, छोटे से भाहर मे पैदा होने वाला व्यक्ति अपने हाथ से कार्य करके हरियाणा का नाम न केवल औधोगिक जगत मे बल्कि समाज और राजनीतिक जगत मे ऊंचा कर सकता है। उन्होने हमको यह भी दिखाया कि किस प्रकार राजनीति मे नई दि ाा लाई जा सकती है। उन्होने हमको यह भी दिखाया कि किस प्रकार से नौजवान और बुजर्ग को रास्ता दिखाया जा सकता है। उनकी धर्मपत्नी आज हमारे बीच सदस्या है। हमे आ ाा है नही बल्कि वि वास है कि हरियाणा मे उधोग के क्षेत्र मे और बिजली के क्षेत्र मे जिस क्रांति का सपना वे देखते थे, मुख्यमंत्री के नेतृत्व मे यह सरका उसको जारी रखेगी।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियो, और हरियाणा के भाहीदो मे वि ोश तौर से हमारे साथी श्री राम कि ान जी और हमारे साथी श्री नरे ा के परिवार के सदस्यो का निधन हुआ है। मै इनके परिवार की भावनाओ के साथ अपनी भावनाओ को जोडता हू और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू। कि वे इन सभी को जो आज हमारे बीच मे नही है अपने चरणो मे स्थान दे।

डा0 सु ाील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस0सी0): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा जो भाोक प्रस्ताव मे पे ा किया गया है मै उसका अनुमोदन करता हू। अध्यक्ष महोदय, हम याद करे तो जब हम छोटे बच्चे होते थे। तो सुनील दत की फिल्मे देखा करते थे। हमारे दिल मे बडा चाव होता था किसी तरह से फिल्मो मे कलाकारी करते है। उस वक्त हम बडे नादान

होते थे और स्कूल छोडकर उनकी फिल्मे देखने जाया करते थे। जिस तरह से उन्होंने फिल्मो मे काम किया उसी तरह का काम बाद मे हमने उनक व्यवहारिक जिन्दगी मे महसूस किया। मेरा सौभाग्य है कि मै उनके साथ बतौर सांसद रहा हू। मै उनसे मिलता था तो मुझे बचपन की बाते याद आ जाया करती थी। कि कैसे मै उनको परदे पर देखता था और कैसे अब उनको असलियत से देख रहा हू। उनका स्वभाव बडा सौम्य था। वे हर बात को अच्छे ढंग से पे ा करते थे। वे कोई पार्टी नही देखते थे। वे सबके साथ बिना भेदभाव के मिलतेथे। उनका काम समाज मे सुधार के तौर पर बदलावा लाना था। वे अच्छे समाज सुधारक थे, अच्छे राश्ट्रीय नेता थे, और अच्छे मंत्री थे, वे आज हमारे बीच मे नही है। उनके निधन पर मै उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए उनकी भावनाओ के साथ अपनी भावनाए जोडता हू।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारे मंत्री चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी एक ऐसे हादसे का ि ाकार हुए जिसको हरियाणा के लोग भूला नही सकते। मुझे आज भी याद है कि वे कैसे व्यक्ति थे? स्पीकर साहब, मेरा और उनका पारिवारिक रि ता रहा है। मै भी भिवानी जिले का हू। उनका गांव गोलागढ है और मेरा गाव गिगनऊ है। जब पहली बार मै पार्लियामैंट मे गया था तो उन्होने बडे भाई की तरह मुझे आ ीर्वाद दिया और कहा कि बहुत अच्छा लगा कि एक गरीब परिवार का साथी हमारे बीच मे आया है। अध्यक्ष महोदय, वे लोकतंत्र मे वि वास रखते थे। और अपनी बात बडे हसमुख ढंग से कहते थे और दूसरी बात भी बडी सहजता से

सुनते थे। पार्लियामैंट मे जब भी कोई बात मे कहता था तो बाहर आने पर वे मुझे कहते कि आपने बहुत अच्छी बात कही। जब हम पार्लियामैटरी से बाहर आकर एक साथ बैठकर चाय पीते थे तो उस समय हम आपस मे राजनीतिक और अपने घर परिवार की चर्चा किया करते थे। उनके निधन के समय जब मै उनके घर पर गया तो मै अपने आपको रोक नही पाया। मेरी आंखो मे आसूं आ गये। चौधरी रण्बीर सिह महेन्द्रा जो उनके भाई यहा बैठे हुए है। लेकिन मै महसूस करता हू कि उनके निधन से मैने सचमूच मे अपने बडे भाई को खो दिया है। चौधरी सुरेन्द्र सिंह की मृत्यु को न तो मै भुला पांऊगा और न यह सचमूच भुला पाएगा।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक यहा पर स्वर्गीय श्री ओम प्रका ा जिंदल जी का जिकर किया गया है मै बताना चाहूंगा कि उनके साथ मेरा लम्बा चौडा रिस्ता नही रहा। उनके बारे मे मैने यह सुन रखा था कि आवगभगत बहुत अच्छी करते है। जब पहले दफा मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य अपने नेता श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के साथ मिला मालूम हुआ कि उनके बारे मे जो सुन रखा था वे उससे भी अच्छी आवमभगत करते है और बहुत अच्छे ईंसान है।मै अपने नेता के साथ एक दफा सुबह सुबह उनके घर गया था। उस समय वे अपने घर के बाहर हमारा इंतजार कर रहे थे। मै उनसे पहली बार मिल रहा हू। उन्होने मुझे कहा कि बेटे यह चीज खाओ, वह चीज खाओ। उसके बाद मुझे कई दफा उनसे मिलने का अवसर मिला कभी सता के गलियारो मे तो अवसर मिलता था। वे बहुत अच्छे इंसान थे। उनके निधन से हमने एक

बडे उधोगपति अच्छे राजनेता और अच्छे इंसान को खो दिया है। उन्हे हम सदा याद करेगे।

इसके साथ साथ जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी जिन्होने हमारे दे ा की आजादी के लिए लडाई लडी वे भी आज हमारे बीच मे नही है उनके निधन से भी मुझे गहरा दुख है। उनके नाम पढूगा तो बहुत समय लगेगेा। मै अपने मान स्वतंत्रता सेनानियों को भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से श्रद्धाजली देता हू और भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

इसके साथ साथ मेरे साथी सांसद श्री अवतार सिंह भडाना के भाई तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम कि ान के ससुर श्री सतं सिंह, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री नरे ा मलिक की भाभ्ज्ञी श्रीमती अनिता देवी के निधन पर मै गहरा भाोक प्रकट करता हू। अत मे मै पिछले अधिवे ान से लेकर अब तक जो राजनेता, समाजसेवी, सांसद, स्वतंत्रता सेनानी और भाहीद हमारे बीच मे नही रहे उन सबके भाोक संतप्त परिवारो को अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की के नेता श्री ओम प्रका ा चौटाला जी की तरफ से और हम सबकी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। मै मुख्यमंत्री जी ने इतना जरूर कहूंगा कि भाई सुरेन्द्र सिंह जी और श्री ओम प्रका ा जिंदल जी पार्लियामैट्री डैमोक्रेसी मे बहुत वि वास रखते थे। उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजली उनको यही होगा कि हम उनके दिखाये हुए रास्ते पर सरकर कार काम करके और यह सदन चलें। धन्यवाद

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद): स्पीकार सर, मुख्यमंत्री जी ने सदन के जो भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है उसके साथ मै अपने को और अपनी पार्टी को जोडता हू और भाोक संतप्त परिवा के सदस्यो के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। जहां तक सुनील दत जी का सवाल है अभी उनके बारे मे बहुत कुछ कहा गया है कि वे बहुत बडे भाति के दूत थे, नेक इसांन थे और दे ा भक्त थे। उनके निधन से सारा दे ा दुखी है। उनकी मौत से उनकी कमी हमे सदा याद रहेगी। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति हार्दिक सवेंदना प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक भाई सुरेन्द्र सिंह जी का सवाल है उस बारे मे बताना चाहूंगा कि हम दोनो एक साथ पढते थे। जब विमान दुर्घटना मे उनकी और श्री ओम प्रका ा जिंदल जी की मुत्यु की खबर झटका लगा। चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी स्कूल के दिनो मे मेरे साथ क्रिकेट खेला करते थे। और मै उस समय कैप्टन होता था। वे मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे लेकिन हमारे राजनैतिक विचार नही मिले और बहुत साल तक हम दूर रहे। मै कांग्रेस पार्टी मे भी रहा, लेकिन जब ये दोबारा एम0एल0ए0 नकर आए तो वे मुझे मिले और कहने लगे कि अब हम मिल कर इकठ्ठे चलेगे। उस समय वहां पर और भी कई साथी थे। उन्होने उनसे पूछा कि क्या आप गौतम जी को जानते है तो उन्होने कहा कि हां बहुत अच्छी तरह से जानता हू हम इकट्ठे क्रिकेट खेता करते थे। इस बात पर वे मुझे कहने लगे कि क्या यह बात कहनी जरूरी थी। अध्यक्ष महोदय, मुझे क्या पता था कि यह सारी बाते यू ही

यादगार के रूप मे रह जाएगी। इसके कुछ दिन बाद जब हवाई हादसे मे उनका देहान्त हुआ तो मुझे बडा झटका लगा।

अध्यक्ष महोदय, जहा तक जिन्दल साहब की बात है, श्री ओम प्रका ा जिंदल जी की पार्टी और हमारी पार्टी अलग थी लेकिन 10 दिन मे, 15 दिन मे 20 दिन मे उनका फोन मेरे पास आ जाता था। हर इे ू पर कोई बात होती थी तो वे मेरे से सलाह कर लेते थे । हालांकि मै बी0जे0पी0 मे हू और वे कांग्रेस पार्टी मे थे फिर भी मेरे साथ उनके बहुत ही अच्छे सम्बन्ध थे। वे बहुत ही नेक इन्सान थे, बडे दिलैर आदमी थे और बहुत ही पक्के इरादे के व्यक्ति थे। उनकी मौत की जब मुझे खबर मिली ते मुझे एक दम करण्ट सा लगा और सहसा इस पर वि वास नही हुआ। मुझे ऐसा लगा कि हरियाणा की राजनीति मे बहुत बडा भून्य पैदा हो गया है और हरियाणा की राजनीति मे उनकी मृत्यु का बहुत प्रभाव पडेगां उनके परिवार के प्रति मै अपनी सवेंदना प्रकट करता हू और अपनी पार्टी की तरफ से तथा अपनी तरफ से दुख प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, जितने भी स्वतन्त्रता सेनानी हमारे बीच मे चले गए है, उनके चले जाने का भी मुझे बहुत दुख है। स्वतन्त्रता सेनानी इस दे ा की धरोहर है हम सभी को उनके चले जाने का बहुत भारी दुख है लेकिन यह संसार न वर हे, जो इस धरती पर आया है उसको जाना ही पडेगा, लेकिन उनके चले जाने का बहुत भारी दुखी है। उनके परिवारो के प्रति भी मै अपनी तथा अपनी पार्टी की संवेदना प्रकट करता हू और जो साथी हमारे बीच मे चले गए है, उनके जाने का बहुत दुख है। भारदा जी मेरे बहुत

ही पर्सनल जानने वाले थे। वे फ्रीडम थे और बहुत ही उच्च कोटि के पत्रकार थे। उनकी मौत का भी बहुत ही अफसोस है। भाई नरे ा मलिक के भाई की मिसेज की जिन हालात मे मृत्यु हुई उसका भी बडा भारी दुख और हम को उनके निधन का बहुत भारी अफसोस है उनके परिवार के प्रति मै अपनी सवेंदना प्रकट करता हू और अपनी पार्टी की तरफ से तथा अपनी तरफ से दुख प्रकट करता हू।

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेडी): अध्यक्ष महोदय, जो वायूयान की दुर्घटना हुई जिसमे हमारे दो मन्त्रियो का निधन हो गया था उस हवाई हदासे मे उस हवाई जहाज के पायलट कर्नल टी0एफ0 चौहान की भी मृत्यु हो गई है मेरा सरकार से निवेदन है कि उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावो मे जोड लिया जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा: अध्यक्ष महादेय, उनका नाम भी इन भाोक प्रस्ताव मे सम्मिलित कर लिया जाए।

श्री अध्यक्ष: ठीक है आनरेबल मैम्बर्ज, ठीक है, आज हम हाउस मे बडे दुखी ह्रदय के साथ बैठे है। हमारे वे परम मित्र, चौधरी सुरेन्द्र सिंह और जिन्दल साहब हमे छोड कर चले गए है जिनको हम यह समझते है कि आने वाला हरियाणा है। जिन्दल साहब यह कहा करते थे कि दो साल मे हरियाणा मे बिजली की कमी नही रहेगी और सुरेन्द्र सिंह जी ने यह कहा करते थे कि दो साल के बाद खेती बाडी मे हरियाणा के किसान किसी तरह भी पीछे नही रहेगे। आज उन दोनो के चले जाने से हाउस को तथा हरियाणा सूबे को बहुत घाटा हुआ है। मुझे सुरेन्द्र सिह के पिता

जी के साथ काम करने का मौका मिला। यहां पर चौधरी सुरेन्द्र हिस की धर्मपत्नी बैठी हुई है और जिन्दल साहब की धर्मपत्नी भी बेठी हुए है। बहुत ही दुख है वे लोग जिनके सामने कुछ नि ाना था वे आज हमे छोड कर चले गए। स्पीकर साहब, सुनील साहब, श्री सुनील दत जी को भी निधन हो गया है हमारे दोनेा मन्त्रियो के साथ साथ जहाज के पायलट श्री चौहान जी भी चले गए है। इनके अलावा हमारे कई फ्रीडम फाईटर भी हमे छोडकर चले गए है। यह सारा हाउस उन परिवारो के प्रति हमदर्दी प्रकट करता है और परम पिता परमात्मा से उनके पीछे सुख और भाांति मांगता है। मै अपनी तरफ से और इस सदन की तरफ से यहा की भावनांए उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो तक पहुचा दूंगा। मै सारे हाउस से यह निवदेन कंरूगा कि दिवंगत आत्माओ की भााति के लिए दो मिनट का मौन धारण करे।

(इस समय हाउस के सभी माननीय सदस्यगण ने दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

सदस्य द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Madam Savitri Jindal, has come in the House. I call upon Smt. Savitri Jindal, a member who has returned in the Bye- election from 74 Hissar. Assembly Cosntituency of the Haryana Legislative Assembly held on 2nd June, 2005 to subscribe oath/affirmation of allegiance to the Constitution of India.

I will also request her for signing the Roll of Members placed on the Secreatry's table after making subsribe oath/affirmation of allegiance.

(At this stage- Smt. Savitri Jindal, subscribed oath/affirmation of allegiance to the Constitution of India.)

सदस्य प्रस्ताव की सूचना/वाक आउट

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Question Hour (Interruption) प्लीज आप भाान्ति के साथ बैठे हम इतने भाोक मे बैठे हुए है, फिर भी बोले जा रहे है। कम से कम आप एक मिनट अब रूक तो जाओ। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: Sir, I want to say scmething.

Mr. Speaker: Not at this stage.

Dr. Sushil Indora: Sir, I have given a notice of adjournment motion regarding retrenchement of more than 15000 Hayana Government employee. Particularly that of H.S.I.S.F. हम चाहते है कि प्र ान काल से पहले इस बारे मे डिस्क ान होनी चाहिए। (ाोर)

Mr. Speaker: It does not lood nice. I am examining that. Please take your seat.

Dr. Sushil Indora: Mr. Speaker, यह 15000 इम्पलाईज के भविश्य की बात है।

Mr. Speaker: When I am saying that I examining that then why you ae interrupting. (Interruptionns) It is very sad you want to revert to last year. This is not the way. Nothing to be recorded. (Interruptions)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कास्टोडियन है और आप ही हमारी बात नही सुनेगे तो कैसे काम चलेगा। आप को इस बारे मै प्र ान काल से पहले डिसक ान करवानी चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

इस समय इण्डियन नै ानल लोक दल के सदन मे उपस्थित सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए।

Mr. Speaker: This is not the way. I will not allow. (Interruptions) I have said categorically. I will not allow it.

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय,.....

Mr. Speaker: I know what do you want. You want news in the New paper that you have staged walked out. (Interruptions) Nothing to be recorded.

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय,.....

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. Let them say what they want to say (Interruptions) I will request you as a Speaker or as a friend to take your seat. This is not the time to speak. You have given the notice and I am examining that (Interruptions) This is not the way.

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय,.....

Mr. Speaker: Please take your seat. I say, everybody has noted that you are fighting for them.

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: You have give the notice. I am considering it. (Interruptions) I will not allow it. Dalal Sahib, please go abead.

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, इन्दौर साहब सब कुछ जानते है। ये संसद के सदस्य भी रहे है और इस हाउस के भी माननीय सदस्य है। इन्होने जो इस बारे मे एक एडजर्नमैंट मो ान दिया है उसको आप कंसीडर कर रहे है। सात आठ दिन का हाउस है इसलिए इनको अपनी बात कहने का हर मौको पर पूरा समय मिलेगा। परन्तु आज तो कम से कम इनको यह जानकारी होनी चाहिए कि यह समय क्वै चन आंवर का है इसलिए क्वै चन आवंर से पहले इनको हाउस को डिसटर्ब नही करना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Listen Mr. Indora. मुझे आपको एडजर्नमैंट मो ान आज डेढ बजे ही मिला है हम इसको कंसीडर कर रहे है। इसलिए अब आप बैठिए। (ाोर एवम व्यवधान) Please take your seat. This is what you wanted to do.

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):स्पीकर सर, आज दे टर्मीनेटेड इम्पालाईज के हिमायती बनते है लेकिन इनकी सरकार के समय मे 22 हजारा कर्मचारियो को नौकरी से निकाला

गया था परन्तु उस समय इन्दौरा साहब की आवाज एक बार भी नही निकली। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर सर, अगर इनका वाक आउट करने को लक्ष्य है तो अलग बात है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्ब्र्ज, अब सवाल होगे। दलाल साहब, सवाल करे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर सर, अगर आप हमारी बात नही सुन रहे है तो हम इसके विरोध मे सदन से वाक आउट करते है।

इस समय इण्डियन नै ानल लोक दल के सदन मे उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।

ताराकित प्र ान एवम उतर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now question Hour.

Amount realised on the auctioning of Liquor Vends

Shir Karna Singh Dalal: Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state-

(a) the total amount realised on the auctioning of Ilquor vends in the State for the year 2005-2006.

(b) the total amount realised on the auctioning of Ilquor vends in the State during the year 2002-2003,2003-2004 and 2004-2005; and

(c) whether there is any shortfall in the realization of revenue during the year 2002-2003,2003-2004 and 2004-2005 in comparison to the amount realised for the year 2005-2006 form the auction of Liquor vends; if so, the reasons thereof?

Excise & Taxation Minister (Sh. Vinod Kumar Sharma):

(a) the total amount of Rs. 837-99 crores has been realized on the auctioning of liquor vends in the State for the year 2005-2006.

(b) the total amount realised on the auctioning of Ilquor vends in the State during the year 2002-2003,2003-2004 and 2004-2005 in given as under.

Year	Amount (Rs. In Crore)
2002-2003	664.35
2003-2004	696.69
2004-2005	717.75

(c) the growth or shortfall in revenue can only be compared with the previous year. The percentage of growth of revenue in each of said years was as under:-

(figures in crores Rs.)

Year	Amount realized from the auction of liquor vends	Increase/decrease	%increase/decrease
2002-2003	664.35	34.23	5.43
2003-2004	696.69	32.34	4.87
2004-2005	717.75	21.06	3.02
2005-2006	837.99	120.24	16.75

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मेरे सवाल का जो जवाब मंत्री जी ने दिया है वह सदन के पटल पर है मेरे सवाल

का पूरा जवाब माननीय मंत्री जी ने नही दिया है इसलिए मै इनको फिर से रिमांइड करवाना चाहता हू कि मैने अपने प्र ान मे लास्ट मे लिखा है कि if so, the reasons thereof अध्यक्ष महोदय, क्योकि यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है उन्होने जो जानकारी सदन को दी है उसके आधार पर मै आपमे माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि पिछली सरकार ने निजी मुनाफा कमाने के लिए सारे कानून कायदों को ताक पर रख दिया था और एक्साइज एंड टैक्से ान विभाग की भी तमाम मर्यादाओ को तोडा था।

Mr. Speaker: Dalal Sabha. Put the Supplementary. आप भाशण दे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै यही पूछ रहा हू। इसमे जो इन्होने इतना अंतर माना है तो ये इसके कारण बताए। मंत्री जी ने माना है कि वर्श 2002–2003 मे राजस्व की बढौतरी की परसैंटेज 5.43 परसैट, 2003–04 मे 4.87 परसैट और वर्श 2004–05 मे 3.02 परसैट रही। अध्यक्ष महोदय, जब नई सरकार बनी और जब उसने इस बारे मे एक साही तरीका अपनाया तो इस बढौतरी मे एक बहुत बडा अतंर आया है। इस सरकार ने प्रदे ा के लोगो को बहुत पैसा कमाकर दिया है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, यह तो भाशण हो गया। Put the Supplementary.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, भाशण मे से ही कुछ न कुछ निकलेगा।

श्री अध्यक्षः यह तो आप बाद मे निकालते रहना। अभी बजट आना है। अभी आप केवल सप्लीमैट्री पूछे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि इस इंक्रीज मे जो इतना बडा अंतर है तो क्या मंत्री जी पिछली सरकार के इस विभाग के मंत्री के खिलाफ, मुख्यमंत्री के खिलाफ या इस विभाग के उन अधिकारियो के खिलाफ जो आक ान पर जाया करते थे, कोई जांच निश्पक्ष तरीके से करवाकर इस सदन को बताएगे कि यह बडा घोटाला क्यो हुआ? क्या से उव वक्त मुख्यमंत्री, मंत्री या जो अधिकारी थे; के खिलाफ कोई कार्यवाही करने जा रहे है?

श्री विनोद कुमार भार्माः Speaker Sir, Hon'ble Members has asked the question. He wants a clarification. I think my answer was quite explicit; still I would like to clarify the point that he has asked (Interruptions)

श्री आन्नद सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मेरा अनुरोध है कि मंत्री जी हिन्दी मे जवाब दे।

Mr. Speaker: Dalal Sabha, please take your seat. Minister is on his legs.

श्री आन्नद सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, अंग्रेजी मे सभी दस्यो को समझ मे नही आता है।

Mr. Speaker: English is also the language of the House. If you want that all the Members should speak in Hindi then we will have to amend the rules.

श्री आन्नद सिंह राठीः यहा पर सभी सुनने के लिए बैठे है, सबको पता लगना चाहिए कार्यवाही का, कि सदन मे क्या कार्यवाही हो रही है। यहां पर दूसरे लोग भी बैठे है और सदस्य भी बैठे है।

श्री अध्यक्षः डांगी साहब, आप बैठ जाइए।

श्री विनोद कुमार भार्माः It is not necessary. Dangl Sahibi Sabhib, Please take your seat. I say, please take your seat.

Mr. Speaker: It is not necessary. Dangi Sahib, Please take your seat. I say, please take your seat.

श्री विनोद कुमार भार्माः It is very clear from the table that the increase of revenue in the year 2002-2003, it was only 5.43% in the year 2003-2004 it was 4.87% in the year 2004-2005 it was 3.02% and in the year 2005-2006 this increase was 16.75%. Now, I can say that the increase in 2005-2006 is more than the 5 years cumulative increase put in together with. That means that the revenue collected previousy was less a compared to the revenue collected this year.

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आबकारी एमव कराधान मंत्री जी बडे ही काबिल वजीर है। इनकी भागर मिले भी है, मै इनसे जानना चाहता हू कि यह जो इन्होने बताया है क्या यह बोली ओकसन का है। स्पीकर साहब, यह सही बात है कि वाकई मे इस साल रेवेन्यू बढा है। इसके अलावा मै जानना चाहूंगा कि जो भाराब का कोटा था क्या वह भी बढाया गया है? मेरे

कहने का मतलब है कि क्या भाराब का कोटा बढाने की वजह से रेवेन्यू बढा है? कृपया मंत्री जी इसकी जानकारी दे?

श्री विनोद कुमार भार्मा: अध्यक्ष महोदय, ाराब का कोटा पौलिसी के तहत ही बढाया गया है। जो रा ि ा इन्क्रीज है वह जितनी रिफ्लैक्ट कर रही है वह हमने भाराब का जो कोटा बढाया है उसकी अपेक्षा ज्यादा इन्क्रीज हुई है।

डा0 सु ील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आबकारी एवम कराधान मंत्री जी को बताना चाहता हू कि सरकार के पास सारे आकडे होते है और उन्ही आकडो के आधार पर इन्होने अभी जवाब सदन मे दिया है। कृपया मंत्री जी बताएं कि वर्श 1990–91 के आकडे क्या थे और उस समय के क्या हालात थे?

Mr. Speaker: This in not relevant. आप मुझे यह कहते है कि दस साल पहले क्या हुआ। How we can say?

डा0 सु ील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, फिर मेरी सप्लीमैट्री का क्या हुआ।

श्री अध्यक्ष: आपकी सप्लीमैट्री तो काफी पुरानी है। आप 1990–91 की बात पूछ रहे है। If you want to ask the supplementary. ते आप अपनी सप्लीमैट्री याद कर लो, फिर पूछ लेना। मै आपको दोबारा दे दूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि पिछली सरकार के कार्यकाल के

दौरान जितने ठेको की आंक ान हुई थी उनकी कीमत बहुत कम आंकी गई थी क्योकि उसमे सबकी मिली भगत थी, उसमे सरकार की साजि ा थी, अधिकारियों का हिस्सा था और मुख्यमंत्री का हिस्सा था। अधिकारियो व मुख्यमंत्री की मिली भगत से जबरन ज्यादा बोली लगाने वालो को नीलामी की बोली नही लगाने दे जाती थी इसलिए कम रेवैन्यू आया। आज हरियाणा की जनता यह जानना चाहती है कि (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हां, यह कहो कि हरियाणा प्रदे ा की जनता आज यह जानना चाहती है कि आप इसकी ऐलाबोरे ान न करो।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से फिर वही सवाल है कि पिछली सरकार के समय मे पिछले वर्शों मे जो भाराब से कम आमदनी हुई, उसके पीछे उस सरकार की साजि ा थी क्या मंत्री उसकी जांच कराएंगे या नही। इसके अतिरिक्त मे मंत्री जी यह भी जानना चाहूंगा कि जब ठेको की आंक ान भाुरू होती है तो मंत्री जी सदन को बताए कि जो अधिकारी आक ान करने जाते है वे कौन से रूल के तहत और कौन से कानून के तहत जाते है। विभाग के अधिकारी 1/3 का नियम जब उनका मन आता है तब लगा देते है कृपया मंत्री जी सदन को यह भी जानकारी दे कि क्या इसके कोई रूल्ज और रैगुले ांज है? क्या इनकी वजह से सरकार को कोई फायदा हुआ है या नुकसान हुआ है?

Sh. Venio Kumar Sharma: As per Rule 36 (12) of the Haryana Liquor Licence Rule, 1970 there is a condition of

depositing 1/3rd amount of the Bid at the time of auction to safeguard the revenue of Government and to discourage speculative bids. Everyone is free to bid after depositing 1/3rd of the money. This condition of 1/3rd is as per the rules and was intimated to all the prospective bidders before the auction and it was also incorporated as a part of the excise announcement. It is only to see when hthe bid is speculated to safeguard the revenue of the Government. It is not an additional amount asked from the contractor. It is within the amount has has de deposit but the amout is asked to ensure that he is capable of giving that much of money or may be after bidding. He may not leave the place and the Government cannot recover that money.

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर साहब, पिछले साल साल 2004–05 मे जो भाराब के ठेके दिए गये है वे कितने लाख प्रूफ लीटर थे और कितना कोटा निर्धारित किया गया था। साल 2005–06 मे कितने लाख प्रूफ लीटर कोटा निर्धारित किया गया है और इसमे बढोतरी कितने प्रति ात हुई है?

श्री विनोद कुमारः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को यह इन्फोर्मे ान राईटिंग मे भेज दी जायेगी।

प्रो0 छतरपाल सिहः स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी मै यह जानना चाहता हू कि पूरे हरियाणा मे टोटल नम्बर आफ वैड्स कितनी है? कृप्या मंत्री जी यह भी बताए कि अर्बन और रूरल के अलावा कौन कौन से जगह वैड्स स्थापित है?

श्री विनोद कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को यह इन्फोर्मे ान राईटिंग मे भेज दे जी जायेगी।

प्रो0 छतर सिंहः स्पीकर सर, इसी प्र ान से सबंधित अगला प्र ान यह है कि बडी भाानदार इन्क्रीज भाराब के ठेके देने से हुई है। अगर यही वैडस इन्डिविजुअल तौर पर भांप के रूप मे आक्सन की जाती तो मै समझता हू इसमे इम्पयामैट जनरे ान ज्यादा होती और रेवेन्यू मे भी ज्यादा इन्क्रीज होती। क्या सरकार भविश्य मे ऐसी कोई योजना बनायेगी।

Shri Vinod Kumar Sharma: The vends are acutioned wtith the policy decision by the Government and the new policy for the year is tobe decided by the end of March and nothing can be said about it.

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से एक सपलीमैट्री पूछना चाहते हू कि क्या पिछले भाासन के दौरान जो ठेके नीलाम किए गये थे उनमे रेवैन्यू इतना कम था इस बारे मे सरकार कोई इन्क्वायरी करवायेगी? क्या मंत्री जी इस प्रकार की इन्क्वायरी करवाने का आ वासन देगे?

श्री विनोद कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य इन बारे मे अपनी ि ाकायत लिखित रूप मे दे दे उस पर गौर किया जायेगा।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ने जनता को वचन दिया था कि हर घर मे रोजगार देगे, क्र ान को दूर करेगे। (विघ्न)

Mr. Speaker: Please sit down, I would not allow you to deliver lecture.

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ने जनता को वचन दिया था कि हर घर मे रोजागर देगे। मेरे इस हिसाब से इन्होने 1600 ठेके भाराब के दिए है। पहले की सरकार के समय तो ये ठेके एक ही आदमी के पास होते थे या चौटाला साहब, के खुद या रि तेदारो के पास होते थे। अब ये 1600 ठेके दिए गए है। अगर ये ठेके अलग अलग आदमियों को दिए जाते तो काफी लोगो को रोजगार मिलता।

श्री अध्यक्षः आपका सप्लीमैट्री क्या है?

श्री राम कुमार गौतमः कम से कम आगे इस बात का ध्यान रखे।

श्री अध्यक्षः यह कोई सुजै ान नही है, आप बैठ जाये।

Imbalabce in distribution of canal water

Shir Dharma Singh Malik, Sh. Naresh Yadav & Shri Sita Ram: Will the Minister Irrigation be pleased to be state-

(a) the total quantum of canal water available in the State of Haryana as it stored on 31st March, 2005;

(b) whether there is any imbalance in the distribution of water for irrigation in different areas of the State; and

(c) if the reply to part (b) above is in affirmative, the steps proposaed to be taken by the State Government to remove this imbalance in distribution of water?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव):

(क) 31.3.2005 को भाखडा, पोंग और रण्जीत सागर बान्धो मे उपयोगी पानी का भण्डारण क्रम ाः 0.84 एम0ए0एफ, 1. 79 एम0ए0एफ0 और 0.69 एम0ए0एफ0 था। दिनांक 31.3.2005 को सतलुज, रावी या ब्यास के एकत्रित हुए पानी मे से हरियाणा का हिस्सा 0.65 एम0ए0एफ0 था। सतलुज का 0.21 एम0ए0एफ0 तथा रावी ब्यास का 0.44 एम0ए0एफ0 था। जबकि यमुना पर कोई भण्डारण नही है।

(ख) जी हां, श्रीमान जी।

(ग) उपलब्ध नहरी पानी के बटवारे की असमानता को समाप्त करने के लिए निम्नलिखित पग उठाए जा रहे है।

1. उपलब्ध जल की आपूर्ति के समान बटवारे को सुनि ि चत करने की ओर अधिक ध्यान देना।

2. उठान नहर प्रणाली की वितरण क्षमता मे सुधार करना।

3. भाखडा नहर प्रणाली एवम यमुना नहर प्रणाली मे एक अतिरिक्त लिंक नहर का निर्माण करना।

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी को निश्पक्षता और फराखदिली के लिए उनका धन्यवाद करता हू कि उन्होने कम से कम यह माना तो सही है कि पानी के बटवारे मे अनियमिताए हुई है। पिछले 40 साल के अर्से मे तो किसी ने यह माना नही कि पानी डिस्ट्रीब्यू ान मे कोई अनियमितताए है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके

माध्यम से मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हू और इसके साथ साथ इस सरकार को मुबारिकवाद देता हू कि जो बात चुनाव के निदो मे कही गई, जो बात हमारे घोशणा पत्र मे आई थी कि हम पानी का समान डिस्ट्रीब्यू ान करेगे, आज वे इस बात के उपर आए है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से हय सप्लीमैटरी पूछना चाहता हू कि वह वे एग्जैक्ट कौन से एरियाज है कि जिनके साथ अन्याय हुआ है, क्या उन्होने उन एरियाज को आईडैटिफाई क्योकि क्वै चन तो काफी वैग और इमबैलै ा है। इमबैलेंस तो यह भी कहा जा सकता है कि जो लोग ज्यादा पानी ले रहे है उनके साथ भी इमबैलेंस हुआ है मंत्री जी बताए कि एग्जैक्ट कौन से एरियाज है जिनके साथ ज्यादती हुई है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि पानी के डिस्ट्रीब्यू ान मे डिसक्रिमीने ान है खासतौर से बी0एम0एल0 जो सिस्टम है जिसमे सिरसा, फतेहबाद के एरियाज आते है। उस एरियाज मे जो अवेलबेल वाटर है उसमे 70 प्रति ात पानी ज्यादा जा रहा है। स्टेट का जो आन एन एवरेज वाटर है वह 1856 एम0ए0एफ0 है लेकिन यहा खरीफ सीजन मे 1987 एम0ए0एफ0 वाटर जा रहा है। उसी प्रकार रबी मे जो हमारा आन एन एवरेज वाटर है वह 1281 एम0ए0एफ0 है जो बी0एम0एल0 सिस्ट है जिसका मैने जिकर किया है, वहा 179 एम0ए0एफ0 पानी जा रहा है और जिन एरियाज के साथ ज्यादती हुई है वे खास तौर से लिफट इरीगे ान सिस्टम के एरियाज है जो डब्लयू जे0सी0 सिस्टम है वहां पर कुछ इस

प्रकार की ज्यादतियां हुई है कुल पानी आज के दिन लिफट सिस्टम मे प्वायंट 929 एम0ए0एफ0 जा रहा है। रबी के दौरान प्वायंट 849 एम0ए0एफ0 जा रहा है इसी प्रकार पहले बहुत भारी अनियमिततांए हुई थी। उनको देखते हुए हमने कोि ा ा की है कि सिस्टम मे कुछ सुधार लाए और इसके लिए हमने कई योजनाअए चलाई है सबसे पहली कार्यवाही हमने जो की है वह यह है कि जितने लिफट कैनाल मे पम्पस थे उनको दोबारा रिपेयर कराया है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, मलिक जो सप्लीमैटरी पूछी है कि किन किन एरियाज मे पानी कम मिला है उन्होने यह नही पूछा कि टोटल कितना प्रोडैक ान हुई।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री को बताना चाहूगा कि भिवानी, रिवाडी, रेाहतक, झज्जर के किसानो के साथ ज्यादती हुई है और उनको कम पानी मिला है। ज्यादा पानी तो केवल डेढ जिले को ही मिल रहा था।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्राः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि भिवानी जिले को पहले 3.5 क्यूसिक्स पानी मिलता था और अब उसको कम करके 2.5 क्यूसिक क्यो कर दिया गया है?

15.00 बजे

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी ने जो मुद्दा उठाया है इस बारे मे मै इनको बताना चाहता हू कि जिस समय यह लिफट कैनाल बनी थी उस समय यह विचार कि जो रेतीला एरियाज है जहां पर लिफट कैनाल के थ्रू पानी लिफट किया जायेगा। वहा पर पानी को रेट 3.05 क्यूसिक पर थाउजैंड एकड होगा और बाकी के एरियाज मे 2.4 क्यूसिक पर थाउजैड एकड होगा। मेरे माननीय साथी ने यह सही बात कही है कि इस 3.05 क्यूसिक पानी को 2003 मे पिछली सरकार ने जान बूझ कर कम करके उस एरिया के साथ भेदभाव करने के लिए 2.4 क्यूसिक कर दिया गया था। इस बारे मे मै मेरे साथी रणबीर सिह जी को बताना चाहूगा कि इसको रिव्यू करवाने के लिए हमने अपने विभागीय अधिकारियो को आदे ा दे दिया है और पानी के मामले मे पहले जो अनियमिततांए होती रही थी, उसको हम दूर करेगे।

चौ. धर्मपाल सिह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि मेरा जो पहला सप्लीमैट्री था उसका जवाब मंत्री जी ने महेन्द्रगढ से भाुरू करके रोहतक तक खत्म कर दिया और ये सोनीपत तक नही पहुचे। जो एरियाज Identity करने थे पुराना रोहतक Including सोनीपत व पानीपत उनके बारे मे इन्होने कुछ नही बताया। अध्यक्ष महोदय, पिछले कई सालो से एक ाडयंत्र के तहत यह नारा लगाते रहे कि हमारे इलाके को एस0वाई0एल0 का पानी आने पर पूरी पानी मिलेगा। लेकिन एस0वाई0एल0 का पानी कब तक आयेगा इस बारे मे कोई कुछ नही कह सकता। आप देख रहे है कि 40 साल हो गये, अब तक जो पानी आया नही है। अब मेरा दूसरा

सप्लीमैट्री यह है कि आज के दिन हमारी स्टेट मे जो पानी मौजूद है क्या उसका बंटवारा बराबरी के आधार पर हमारी सरकार करेगी और करेगी तो कब तक यह इम्पीमैंट हो जायेगा। एस0वाई0एल0 का पानी जब आयेगा उसका बटवांरा तक हो जायेगा लेकिन इस समय जो पानी मौजूद है उसका समान बंटवारा कब तक किया जायेगा और कौन से चैनल से यह पानी सोनीपत के एरिया मे आयेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मनानीय साथी ने जो बात की है यह बिल्कुल सही कही है। नरवाना ब्राच की कैपेसिटी 4202 क्यूसिक है, जिसका पानी साउथ हरियाणा मे जाता है जिसमे सोनीपत का एरिया भी आता है उसमे पानी की काफी दिक्कत रहती है इसमे कुछ पजांब का एरिया भी पडता है। इस समस्या को दूर करने के लिए एक तो हमने जिस नहरों की आज तक डीसिल्टिंग नही हुई। उनकी डीसिल्टिंग करवा रहे है जिस पर आने वाले 3–4 महीने मे 10 करोड रूपये खर्च करेगे, जिसमे जे0एल0एम0 भी भाामिल है और दूसरी नहरे भी भाामिल है। हम कोि ा ा कर रहे है कि जो नहरे नाले बन गई थी वे दोबारा से नहर बन सके। माननीय साथी ने पूछा कि साउथ हरियाणा मे किसी प्रकार पानी आयेगा? इस बारे मे मै बताना चाहूंगा कि एक और हम भाखडा का पानी लाने के लिए बी0एम0एल0 हांसी ब्रांच और बुटाना ब्रांच मल्टी परपज लिंक कैनाल बना रहे है और इस परियोजाना के द्वारा तकरबीन 2000 क्यूसिक पानी आयेगा। पहले सिर्फ नरवाना ब्रांच से यह पानी आता था, अब इसके पैरलल दूसरी लिंक कैनाल बना रहे है जिस पर

करीबन 200 करोड रूपये खर्च होगे। यह कनाल 106 किलो मीटर लम्बी होगी और इसकी कैपेसीटी 2000 क्यूसिक होगी। इस कैनाल को बनाने के बाद जब बरसात के दिनो मे कैथल और जींद के एरियाज मे जो बाढ का पानी होगा वह पानी राईस ग्रोविंग एरियाज मे दिया जायेगा। जहां तक साउथ हरियाणा की बात है, जिसमे सोनीपत का एरिया भी है वहां पर खासतौर से इसका पानी मिलेगा। जहा तक मौजूदा पानी के इमबेलैंस का सवाल है उसको दूर करने के लिए और केवल 1.62 एम0ए0एफ0 रावी ब्यास का पानी जो हमे मिलना चाहिए उसके हिस्से की बात कर रहे है। जो पानी हमे एस0वाई0एल0 से मिलता है वह अलग ई ा है लेकिन इसके बनने से मै समझता हू कि यह जो अनियमितता पानी की है इसको हम दूर कर पायेगे और आज जो 16 दिन पानी आपकी नहर मे चल रहा है उसको बढाकर 24 दिन चला सकेगे।

राव दान सिहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने एक बात स्वीकार की है कि पानी के वितरण मे असमानता रह है। मै आपके माध्यम से माननीय साथी को यह बताना चाहूगा कि दक्षिणी हरियाणा के क्षेत्र महेन्द्रगढ एवम रिवाडी आज तक पानी से अछूते रहे है। इन इलाको के लिए सरकार पानी का प्रावधान कर रही है। मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि सरकार पानी का जो प्रावधान कर रही है हमे किस मात्रा मे पानी मिल पाएगा और किस चैनल से मिलेगा, अगर यह ब्लांक वाईज स्थिति बताने की कृपा करे तो धन्यवाद होगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इन्हे नरवाना लिंक ब्रान्च के द्वारा पनी मिल रहा है। ज्यादा पानी देने के लिए हमारे जितने भी पम्प हाउसिज है उनको हम दोबारा से ठीक करवा रहे है क्योकि पम्प हाउसिज की लिफटिंग कैपेसटिी मात्र 25–30 प्रति ात रह गई थी उसकी क्षमता को बढाएगे। यह क्षमता बढ जाने के बाद मै यह समझता हू कि पहले जो पानी 7–8 दिन तक चलता था तथा 22–23 दिन बन्द रहता था हमारी सरकार आने के बाद अब हम 16 दिन तक पानी चला रहे है। 33 प्रति ात हमने आलरेडी इन्क्रीज कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, अब हम नहरो की डि सिल्टिंग का काम भी करवा रहे है और इस काम पर करीब 10 करोड रूपये खर्च होगे। अगले 3–4 महीने मे जे0एल0एन0 कैनाल की डि सिल्टिंग करवा देगे। जे0एल0एन0 कैनाज जब से बनी है उसकी डिसिल्टिंग नही हुई है और जितने भी लिफट कैनाल है उनकी डि सिल्टिंग नही हुई है और न ही किसी कैनाल की रिपेयर हुई थी। इस दि ाा मे हम कदम उठा रहे है। यह जो हांसी और उकलाना ब्रान्च है उसके द्वारा कुछ पानी सोनीपत और झज्जर के ऐरिया मे चला जाएगा और यह जो एरिया लिंक ब्रान्च है उससे हमारे ऐरिया मे पानी आ जाएगा और पानी की मात्रा बढ जाने से हम 16 दिन की बजाए 24 दिन तक पानी चलाएगे।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः अध्यक्ष महोदय, यह जो चर्चा हो रही है इसके बारे मे मै हाउस को बातना चाहूंगा कि सरकार की नीति है और किसानों के बारे मे भी प्रदे ा मे सभी संसधानो के समान बटवारे की बात थी। जिले और इलाके का कोई सवाल नही

है। सिंचाई के हमारे दो सिस्टम है एक है भाखडा सिस्टम और दूसरा यमुना सिस्टम है, इनसे सब को समान पानी मिलेगा। इसके लिए क्या क्या कदम उठाए जाने चाहिए वह एप्रोप्रियेंट कदम सरकार उठा रही है ताकि टेलो तक पानी पहुंच सके। जो हमारा अवेलेबल वाटर है उसका समान बंटवारा होगा चाहे कोई भी इलाका है सारा हरियाणा एक समान है और सारे हरियाणा मे सिचांई के लिए और पीने के लिए पानी समुचित तरीके से और समान तरीके से सब को मिलेगा, यह हमारी नीति है और उसके लिए जो भी एप्रोप्रियेट स्टेप्स है वे हम उठा रहे है।

डां0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से एक जानकारी चाहता हू। पानी के बंटवारे के बारे मे उन्होने एक नगर बनाने का जिकर किया है। मै उनसे यह जानकारी चाहता हू कि जहां से नहर भाुरू होगी और जंहा पर नहर खत्म होगी उसका स्लोप कितना है, क्या यह प्रोजैक्ट वहां तक पानी पहुचांने मे वायबल होगा और इस प्रोजैक्ट को पूरा होने मे कितना समय लगेगा। अध्यक्ष महोदय, दूसरे मे मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि अभी जो उपलब्ध पानी है उसके बटवारे की बात सरकार करती है। क्या सरका की यह मन ाा नही है कि एस0वाई0एल0 नहर को जल्दी से जल्दी बनवा कर पानी का न्यायोचित बंटवारा किया जाए क्यों कि वास्तव मे तो समस्या का हल उसी से होगा। मंत्री महोदय इसके बारे मे बताने का कश्ट करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने जो उतर दिया है वह स्टेट मे पानी के वितरण मे इस्बैलैंस हुआ है उसके

बारे मे था। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि अभी बताया गया है कि कोई रीजन की बात नही है कोई इलाके की बात नही है सरकार पूरे हरियाणा मे पानी के समान वितरण की बात कर रही है। पिछले 40 साल से 70 प्रति ात फालतू पानी ये लोग ले रहे है जिसके कारण वहां पर सेम की समस्या हो रही है। दूसरी तरफ हमारे इलाके मे पीने का पानी भी नही है। महेन्द्रगढ और रिवाडी के इलाके ऐसे है जहां पानी 1400 फुट तक नीचे चला गया है। अध्यक्ष महोदय, हम जो बात कर रहे है वह तो समानता की बात कर रहे है जब कि इन लोगो ने असमानता की बात की थी। जहां तक एस0वाई0एल0 की बात हे, मामला अभी कोर्ट मे लम्बित है और माननीय सुप्रीम कोर्ट हमे जो भी आदे ा देगी उसे हम मानेगे।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से स्वीकार किया है कि दक्षिणी हरियाणा मे 15 या 17 दिन पानी दे रहे है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हू कि इसके पहले 2000 से 2005 के बीच जो गवर्नमैंट थी, उस भाासनकाल मे हमारे हिस्से का पानी किन जिलो मे ज्यादा जाता था?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै इस के बारे मे पहले ही जवाब दे चुका हू।

Consturction of over Birdge on Bhiwani-Tosham Road

27. Dr. Shiv Shankar Bharwaj: Will the Chief Minister be pleased to be state whether there is any proposal

under consideration of the Governemnt to Consturct a Railway Over Bridge on the Bhiwan Tosham Road (Railway Crossing).?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान जी नही। स्पीकर साहब, इसके अलावा मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जैसा कि माननीय सदस्य ने ओवर ब्रिज बनाने के बारे मे कहा है तो मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि सरकार का वहां पर अभी ओवर ब्रिज बनाने को कोई प्रपोजल नही है। स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को केवल यह स्पश्ट करना चाहूंगा कि 1977 मे इस प्रकार का ओवर ब्रिज बनाने के प्रपोजल बनाया गया था लेकिन वह प्रपोजल लागू नही हुआ था इसलिए हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड मे बाय पास जो भिवानी और तो ाम रोड तथा भिवानी और लोहारू रोड है वह बनवा दिया था जो आपका ब्रिज था उसको ि ाफट करके जो रेलवे लाईन क्रोसिंग 51 सी जो कि भिवानी दू लोहारू रोड पर है उसको भिवानी दू भंटिडा रेलवे लाईन क्रोस करती है। यह 1986–87 मे बनकर तैयार हो गई थी। स्पीकर सर, कारण यह है कि अगर जो आवर ब्रिज माननीय सदस्य बनाने के लिए कह रहा है अगर उसको बनाया जात है तो वहा पर जो अना थ आश्रम है उसको सारे का सारा गिराना पडेगा और उसी जमीन लेनी पडेगी। इसी वजह से यह ओवर ब्रिज न बनाकर के बांया पास का निर्माण किया गया था और ओवर ब्रिज बनाने का परपोजल सरकार के पास विचाराधीन है।

डा0 ि ांव ांकर भारद्वाज: अध्यक्ष महोदय, यह जो ओवर ब्रिज ि ाफट किया गया था, उससे वहां की समस्या का

समाधान नही हुआ है। यह बहुत ही गम्भीर समस्या है। मै आपके माध्यम एक लैटर पढकर सुनाना चाहता हू जो कि एस0सी0पी0डब्लयू0 ने इजिनियर इन चीफ को लिखा था और इसका सब्जैक्ट न0 318/ROB in Bhiwani & Tosham Road. D.O. No. 36/CWEP, dated 13-10-2004, No. 3183/NH, dated 20-10-1994, इसमे भी एग्जिक्यूटिव इंजिनियर ने जो माना है उसकी वे दो लाईने मै पढकर सुना देता हू।

श्री अध्यक्षः भारद्वाज जी, आपके पास यह लैटर कहा से आ गया है। आप उसको क्यों मरवाना चाहते हो।

डा0 ि ंव ाकंर भारद्वाजः स्पीकर सर, उसको मरवाने की बात नही है यह एक बहूत ही गम्भीर समस्या है और मै चाहता हू कि सरकार इसके लिए जरूर कुछ न कुछ करे क्योंकि 1/3 से ज्यादा पापुले ान वहां पर रहती है और लाईफ सेविंग टाईम उस फाटक पर लोगो को वेस्ट होता है। घंटो फाटक वहां बंद रहता है जिसकी वजह से कई बार गर्भवती महिलाओ की वही पर डिलवरी हो जाती है। कितनी बार ऐसा हुआ है कि हार्ट अटैक वाले पे ान्ट फाटक बंद होने की वजह से अस्पताल मे समय पर न पहुंचने की वजह से वही पर जान दे देते है अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह ओवर ब्रिज बनाना बहुत ही जरूरी है और सरकार को इसको प्रायरिटी बेस पर बनवाना चाहिए। सर, उस लैटंर से जो दो लाईन्ज है मै आपके माध्यम से सदन मे पढकर सुनाना चाहता हू। The Executive Engineer, has further borught out, "is is fact that the Railway Crossing No. 53 on Tosham Bhiwani road remaing closed for long hours resulting in long ques of vehicles

awaiting the crossing of Railway Line." सर, यह उन्होने अपनी लैंटर मे माना है कि यह बहुत ही गम्भीर समस्या है।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो कहा है मै उनकी भावनाओ से सहमत हू लेकिन सरकार के सामने दो रास्ते है। उसमे से एक रास्ता है जो अनाथ अबोध बच्चो का आश्रम है, यह सारे का सार गिरा दिया जाए और उनकी जमीन ले ली जाए। स्पीकर साहब, रेलवे अथोरिटी ने जो हमे रिपोर्ट दी है उसमे यह लिखा है कि अगर यह ओवर ब्रिज बनाया जाएगा तो उसके बीच मे अनाथ आश्रम आएगा। सरकार ने इस बात को ही देखते हुए यह निर्णय लिया है कि यह जो आश्रम अबोध बच्चो का बहुत ही पुराना आश्रम है इसको रेलवे ब्रिज के लिए गिराना उचित नही है। स्पीकर सर, वहां पर बांय पास की सुविधा है। 51 नम्बर क्रोसिंग पर आल रेड्डी ओवर ब्रिज बना दिया गया है इसलिए यह सम्भव नही है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सदन मे बताना चाहूंगा कि आल रेडी 90 करोड 56 लाख रूप्ए की लागत से कई रेलवे ओवर ब्रिज यहा पर बना रहे है और 130 करोड रूपये की लागत से कई ओवर ब्रिज बनने विचाराधीन है तथा इनके एस्टीमेंटस मंजूर हो चुके है। और पैसे की भी कोई कमी नही है। माननीय सदस्य जिस विशय मे कह रहे है यह एक ऐसी मार्मिक समस्या थी इसलिए सरकार ने यह फैसला किया कि यहां पर ओवर ब्रिज ने बनाया जाए।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि कैथल मे नई अनाज मंडी के पास जो रोड जाती है, उस पर बहुत कंनै ांन

रहती है क्या वहां पर कोई ओवर ब्रिज बनाने की सरकार की योजना है?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, एक करोड रूपए की लागत से नई अनाज मंडी के पास रेलवे ओवर ब्रिज की योजना सरकार के पास विचाराधीन है। इसकी प्रपोजल 13 दिसम्बर, 2002 को हमने सबमिट की थी। अध्यक्ष महोदय, रेलवे विभाग के पाय यह योजना पैण्डिंग है। सरकार का प्रयास रहेगा कि उनसे मजूंरी लेकर इसको जल्दी भुरू करवाए।

प्रो0 छतरपाल सिंहः स्पीकर साहब, जब हिसार से दिल्ली की तरफ निकलते है तो There is another Railway Phatak. There is heavy traffice on it. जिदल साहब की फैक्ट्री के पास यह एरिया पडता है। क्या उस एरिया मे भविश्य मे ओवर ब्रिज बनाने का कोई प्रपोजल सरकार के विचाराधीन है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि रेलवे ओवर ब्रिज नम्बर 89 बी जी है वह सात रोड हिसार की रेलवे लाईन पर है, उसके लिए हमने टैडर कर दिया है और 30 जून, 2006 तक यह काम पूरा हो जाएगा।

श्री धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मै आपमे माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हू कि ओवर ब्रिज बनाने का क्राइटेरिया क्या है? क्या अवेलेबिलिटी आफ फंड्ज अवेलेबिलिटी आफ लैंडज या ट्रैफिक इसका क्राईटेरिया है? सरकार का किस आधार पर ओवर ब्रिज बनाने का क्राईटेरिया है? जो मेन भाहर है

क्या वहां पर भी रेलवे ओवर ब्रिज बनाएगे? जैसे गुडगांव मे दौलतबाग रोड के ऊपर ओवर ब्रिज बनाने की बात है तो क्या गुडगांव मे वहां पर उस रेलवे लाईन पर ओवर ब्रिज का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को बताा चाहूंगा कि यह सब प्र ान जो पूछ जा रहे है यह सप्लीमैंट्री के स्कोप मे तो नही आते है लेकिन इस बारे मे जो भी इंफोर्मे ान मेरे पास अवेलबेल थी वहं मैने बता दी है। अगर माननीय सदस्य इस बारे मे लिखकर देगे तो सरकार उस पर जरूर विचार करेगी। मै मुख्यमंत्री जी की तरफ से माननीय सदस्य को आ वस्त करना चाहता हू कि गुडगांव की प्रगति सरकार की प्राथमिकता मे है और हम उस ओवर ब्रिज को भी अव य बनाएगे।

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, मै रेलेवैन्ट क्वै चन पर ही आपके माध्यम से अनारेबल मिनिस्टर का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। अभी भिवानी मे रेलवे ओवर ब्रिज बनाने की बात कही गयी थी। यह मान लिया कि वहां पर गरीब अनाथ बच्चो का आश्रम बीच मे आता है। मै मंत्री जी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार वहां पर इसके आल्टरनेट के रूप मे सब वे या अन्डर ब्रिज बनाकर लोगो की समस्या का हल करेगी ताकि वह आश्रम भी वहां कायम रहे और लोगो की जो बहुत बडी पीडा है उसका भी निवारण हो सके।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जैसा मैने पहले दूसरे माननीय सदस्य के सवाल के जवाब मे बताया था कि वहां पर दोनो तरफ बिल्डिंग्ज होने की वजह से ऊपर और नीचे की खुदाई करना सभंव नही। अगर हम ऐसा करेगे तेा वहां पर लोगो के मकानो और उस अनाथ आश्रम को भारी क्षति पंहुचगी। फिर भी माननीय सदस्य ने जो कहा है कि उसको हम टैक्नीकली ऐग्जामिन करवा लेगे।

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर साहब, केन्द्र सरकार और हरियाणा सरकार की सारी फार्मेलिटीज पूरी होने के बाद सिरसा और डबवाली मे रेलवे ओवर ब्रिज बनाने के लिए ि ालान्यास किये गये थे। मै आपमे माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनका काम कब भाुरू होगा और कब तक यह पूरा हो जाएगा यानी इस बारे मे जो स्थिति है उसको कृपा मंत्री जी जरा विस्तार से बताएं?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने डबवाली मे ओवर ब्रिज बनाने की चर्चा की और कहा कि यहां पर रेलवे ओवर ब्रिज बनाने का ि ालान्यास किया गया था। सर, हमने एक मार्च, 2005 को इसके लिए मिनिस्ट्री आफ ि ापिंग एंड रोड ट्रांसपोर्ट को पैसा जमा करवाया है। यदि मेरे पास इस बारे मे फिगर्ज सही है तो इसका ऐस्टीमैंट एक करोड रूपये के करीब है बाकी की जो तपसील ये जानना चाहते है उसके बारे मे ये लिखकर भेज दे, मै उसका जवाब दे दूंगा।

Opening of Hundred Bed Government Hospital in Village Bass

23. Shri Ram Kumar Gautam: Will the Minister of Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open hundred bed Govt. Hospital in village Bass in Narnaund Constitueny.?

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी): जी नही। स्पीकर साहब, इसके साथ ही साथ मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि सरकार के बांस गांव मे 100 बैड्ज होस्पीटल बनाने का कोई इरादा नही है। क्योकि स्वास्थ्य केन्द्रो को बनाने के लिए एक राश्ट्रीय नीति बनी हुई है। इस नीति के हिसाब से तीस हजार की आबादी पी0एच0सी0 और एक लाख बीस हजार की आबादी पर सी0एच0सी0 एवम इसके लिए आगे दूसरे होस्पीटल बनाये जाते है। स्पीकर साहब, वहां एक पी0एच0सी0 काम कर रही है जिसके अंदर आठ सब सैटर्ज पडते है। जिनकी टोटल आबादी चालीस हजार के करीब है इसलिए इस पी0एच0सी0 की तो इम्प्रुवमैंट हो सकती है लेकिन अलग से 100 बैड्ज का होस्पिटल बांस गांव मे बनाने का कोई इरादा सरकार का नही है।

श्री राम कुमारा गौतम: स्पीकर सर, बांस गांव हरियाणा के दस बडे गांवो मे से एक है यह मेरी कास्टीच्यूएंसी का भी सबसे बडा गांव है। आसपास के कम से कम 15 गांव ऐसे है जहां एम0बी0बी0एस0 डाक्टर्ज नही है। खुद बास गांव मे कोई एम0बी0बी0एस0 डाक्टर नही है। लोगो ने मेहनत करके दस लाख, पन्द्रह लाख रूपये इकट्ठे किए है। वहां के लोग चौटाला साहब के पहले ज्यादा गीत गाते थे, उनके पास गए थे कि आप बनाओ चौटाला साहब ने वहां पर एक फोटो तो चौधरी देवी लाल की वहां लगा दी लेकिन काम अभी तक भ्रुरू नही किया। मेरी

मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वहां बहुत ही सख्त जरूरत है इसलिए वहां सौ बैड का आसपास जरूर बनाया जाए।

बहन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मै पहले ही बात चुकी है कि वहा पर आकर सब सैन्टर्स को मिलकार लगभग 42 हजारा के करीब की ही आबादी बनती है इसलिए वहा पी0एच0सी0 का स्कोप है और वह आलरेडी वहां है यह बात अलग है कि वह प्राइवेट बिल्डिंग मे चल रही है। पीछे एक बिल्डिंग बनी है वह साढे पांच फुट नीचे है इसलिए यह टेकओवर नही की है। स्वास्थय विभाग ने माना है कि इसमे बहुत सारी कमियां है वे दूर नही है। यह मैने बताया हे कि इसमे इम्प्रूवमैंट की गुजांइ ा है कि वहां पर पी0एच0सी की नई बिल्डिंग बना दी जाए। जहा तक डाक्टरो का सवाल है उस बारे मे मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगाी कि इस समय सारे हरियाणा के लिए करीब 160 डाक्टर्ज की वहा कमी है लेकिन फिर भी वहां की जरूरत को देखते हुए एक डांक्टर और दूसरा स्टाफ वहां पर है और भी जल्दी से जल्दी वंहा स्टाफ की कमी को पूरा करेगे और लोगो को सुविधाये मिले इसका पूरा प्रबंध किया जाएगा लेकिन 100 बैडिड अस्पताल बनाने का कोई विचार नही है।

श्री खरैती लाल भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से स्वास्थय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इन्होने बतारया कि 40 हजारा या 42 हजार की आबादी पर पी0एच0सी0 बनाई जाती है। मेरे हल्के मे ठोल गांव है, उसकी और उसके आसपास की आबादी 42 हजार से ज्यादा बनती है। वहां गांव वालो ने पी0एच0सी0 के लिए बिल्डिग बनाकर दी है और बहुत रिक्वैस्ट की

है कि उसको सरकार टेक ओवर कर ले और वहां पर डाक्टरो का इंतजाम किया जाए। मै पूछना चाहूंगा कि सरकार क्या कोई ऐसा प्रावधान करेगी कि वहां पर डाक्टर्ज और दवाइयों की इंतजाम हो सके।

बहन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सप्लीमैट्री इस मेन सवाल मे कवर नही होती। वहा पर डाक्टर्ज भेजे जाने के लिए माननीय सदस्य द्वारा और वहां के लोगो द्वारा भी लिखकर दिया गा। इसको हम ऐग्जामिन करा रहे है यदि बिल्डिगं नार्म्स के हिसाब से सही हुई और नई जनगणना के हिसाब से सरकार ने जो नयी पी0एच0सी0 बनानी है, उसमे हम ठोल को भाामिल कर सकते है।

प्रो0 छतरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से स्वास्थय मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि हरियाणा मे चाहे पी0जी0आई0 रोहतक है और चाहे दूसरे जिलो के जो अस्पताल है उनमे स्टाफ का जो रिक्वायर्ड वर्कलोड है। क्या वह पूरा है और यदि नही है तो कब तक पूरा कर देगे। इसके अलावा यदि किसी अस्पताल मे स्टाफ है तो इक्विपमैट्स नही है और इक्विपमैट्स है तो स्टाफ नही है। Equipments are not functioning due to the shortage of the staff. क्या मंत्री महोदया के पास पूरे स्टाफ का विवरण है अध्यक्ष महोदयख साथ ही साथ मै यह भी जानना चाहूंगा कि क्या स्टाफ की और इक्विपमैट्स की पोस्टिंग को बैलैस करने का निकट भविश्य के कोई विचार है।

बहन करतार देवीः स्पीकर साहब, वैसे तो इक्विपमैट्स विवरण मेरे पस नही है। लेकिन यह सही है कि हम अब की बार स्थानांतरण जो करेगे उसमे स्पैति ायेलिटी के हिसाब से सी0एच0सी0 लैवल पर दो डाक्टर्ज को पोस्ट करेगे। आपंरे ान थियेटर होगा वहां सर्जन को पोस्ट करेगे और जहां एक्सरे म ाीन होगी वहा रेडियोग्राफर की पोस्टिंग करेगे। कहने का मतलब यह है कि जो सुविधा जहां होगी उसके मुताबिक स्टाफ भी होगा। यह मै पहले ही स्वीकार कर चुकी हू कि डाक्टरो और पैरा मेडीकल स्टाफ की कमी है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि इस कमी को आने वाले 2–4 महीनो मे पूरा करेगे।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, कैथल डिस्ट्रिक्ट हैडक्वाटर है और वहां पर दूर दूर तक कोई मेडीकल फैसिलिटीज नही है। वर्तमान मे कैथल अस्पताल की जो बिल्डिंग है वह काफी पुरानी है और खराब कंडी ान मे है। मै मंत्री महोदय, से यह जानना चाहता हू कि क्या सरकार के विचाराधीन कोई तजवीज कैथल मे नये अस्तपाल की माडंर्न बिल्डिंग बनाने की है। हुडडा ने सैक्टर 18 कैथल मे 15 एकड जमीन इसके लिए रिजर्व कर दी है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि कैथल और उसके आस पास के पूरे इलाके का ख्याल रखते हुए क्या वहां पर कोई सुपर स्पै ाियैलिटी अस्तपाल बनाने का सरकार का कोई विचार है?

बहन करतार देवीः स्पीकर साहब, कैथल मे इस समय 100 बैड का होस्पिटल है। यह ठीक है कि उस अस्पताल की बिल्डिगंज खराब अवस्था मे है। इस बारे मे माननीय सदस्य के

साथ हम बैठकर मीटिंग कर चुके है। नये बजट मे नई बिल्डिंग बनाने का प्रावधान किया गया है। यहां पर ही नही और भी डिस्ट्रिक्ट है हैडक्वार्टर पर अस्पतालो की नई बिल्डिंग बनाने का विचार है। रेवाडी और झज्जर जिला हैडक्वार्टर पर भी 100 बैड का अस्पताल बनोन का नये बजट मे प्रावधन करेगे।

श्री सोमवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, वर्श 1999 मे मेरे हल्के के गांव ढिगावा मे पी0एच0सी0 बनाने का प्रोपोजल हैल्थ विभाग की तरफ से दिया गया था कि अगर पंचायत पी0एच0सी0 के लिए जमीन दे दे तो वहा पर पी0एच0सी0 खोल दी जायेगी। पंचायत ने इस बारे मे रेजोल्यू ान पास करके जमीन भी दे दी है। मै मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि क्या वहा पर पी0एच0सी0 खोलने पर सरकार कोई विचार करेगी?

बहन करतार देवीः स्पीकर साहब, जैसा कि मैने पहले भी कहा था कि नये बजट मे 200 के करीब पी0एच0सी0 खोलने पर सरकार विचार कर रही है। परन्तु मै माननीय सदस्य को वि वास दिलाना चाहता हू कि अगर जमीन स्वास्थय विभाग के नाम ट्रांसफर हो चुकी है तो नये नार्मस के हिसाब से हम वहां पर पी0एच0सी0 खोलने के मामले को कंसीडर लेगे।

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि 500 घरो की बस्ती मे जहां एक हजार या दो हजार लोग रहते है यहां पर उनको 25 किलोमीटर तक कोई मैडिकल सुविधा प्राप्त नही है।

क्या मंत्री महोदय उनके लिए कोई मैडिकल सुविधा देने बारे विचार करेगी ?

बहन करतार देवी: स्पीकर साहब, अभी माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने रूरल हैल्थ मि ान के नाम से एक नई योजना भुरू की है। उस योजना मे हमारा स्टेट तो नही आता लेकिन फिर भी हम इस भावना को देखते हुए हम नई योजना भुरू करने जा रहे है इस नई योजना के तहत मोबाईल हैल्थ यूनिट बनाई जायेगी। जिसके तहत ऐसे गांव के लोगो को स्वास्थय सुविधा दी जाएगी।

श्री सुखबीर सिंह (सोहना): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि गुडगांव डिस्ट्रिक्ट जो पूरे प्रदे ा से सबसे ज्यादा रैवेन्यू देता है क्या उसके बारे मे भी सरकार द्वारा कुछ सोचा जा रहा है।

बहन करतार देवी: स्पीकर साहब, गुडगांव मे इस समय 120 बैड का अस्पताल है। माण्ढी मे 50 बैड का, सोहना मे 30 बैड का, और हेली मण्डी मे 25 बैड का अस्पताल है। इस समय पूरे हरियाणा की जानकारी तो मै नही दे सकता। माननीय सदस्य इस बारे मे लिखकर दे दे इनको जवाब दे दिया जायेगा।

Opening of a College at Bhondst Damdama

46. Shri Sukhbir Singh (Shohana): Will the Minister Education be pleased to be state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a college at Bhondsi Damdama and Badshapur being no college in that area ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized.?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): नही श्रीमान जी।

श्री सुखबीर सिंह (सोहना): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हू कि भौडसी गांव की 100 एकड लैंड बी0एस0एफ0 को, 450 एकड लैड हरियाणा पुलिस को, 90 एकड लैंड जेल के लिए और 406 एकड लैड सी0आर0पी0एफ0 को सरकार ने एक्वायर करके दे रखी है। भौडसी और बाद ाापुर दोनो गांवो की वोटर संख्या 10–10 हजार की करीब है और टोटल जनंसख्या 30 हजार के करीब है। इन गांवो की इतनी ज्यादा जमीन एक्वायर की हुई है लेकिन आस पास के गांवो मे कोई सरकारी कालेज नही है इस लिए मेरा मंत्री महोदय से अनुरोध है कि वहां सरकार कालेज खोला जाए।

श्री फूलचन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि भौडसी, दमदमा और बाद ाहपुर तीनो ही गुडगांव जिले के भाग है। गुडगांव जिले मे 10 कालेजिज है जिसमे 7 सरकारी, 2 गैर सरकारी और एक निजी महाविधालय है। भौडसी जहां का माननीय साथी ने जिकर किया है गुडगांव जिले के बिल्कुल साथ लगता है इसलिए 10 कालेजिज मे से किसी भी कालेज मे एडमि ान लिया जा सकता है। जहां तक इन्होने जिकर किया कि जमीन किसी और काम के लिए ली

गई है तो उसका कालेंज मे कोई सम्बन्ध नही है, कालेज मे बहुत सी सुविधाए है। हमारी सरकार आज के युग मे ि ाक्षा पर बहुत ध्यान दे रही है। साथ ही यह सरकार ि ाक्षा की गुणवता पर भी ज्यादा ध्यान दे रही है। जिसके तहत जांब ओरिएटिड कोर्सिज ज्यादा भाुरू करने जा रही है। इसलिए अगर माननीय साथी को किसी भी कालेज मे एडमि ान मे दिक्कत आए तो मुझे बता दे।

Leasing of Mines Minister

19. Shri Naresh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to be state whether there is any proposal under consideration of the Government to lease out the mines minerals of district Mahendergarh to the societies of the unemployed youth of the said area?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):नंही, श्रीमान जी।

श्री नरे ा यादव: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्र ान का जवाब दिया है जब कि जवाब तो मै मुख्यमंत्री महोदय जी से जानना चाहता था लेकिन वे यहां मौजूद नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि पिछली बार हाउस मे बडे जोर भाोर से आवाज उठी थी कि खनिज हरियाणा मे एक ही आदमी के पास है और आज भी उन्ही लोगो के पास है। खनिज पर, पहाडो पर, रेत पर और बजरी पर वे बैरियर, टोल टैक्स लगा कर बैठे है और जनता को परे ाान कर रहे है। हम लोग सोचते थे कि नई सरकार बनेगी तो कुछ सुधार होगा लेकिन हमने देखा कि बजरी, रोडी आदि के दाम

बढते ही जा रहे है और उनके होसंले बुलंद होते जा रहे है। हमारा जिला भ्ाुरवीरो का जिला है।

Mr. Speaker: Naresh Yadav Ji, please put the supplementary. Don't delver the speech. You will get enough time for the speech.

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को कहना चाहता हू कि जिनते खनिज हमारे जिले मे है, हमारे साउथ हरियाणा मे जिनते पहाड है, जितनी नदिया है जहां से बजरी और पत्थर निकलता है, उसके लिए बेरोजगार युवको की कमेटी बनाकर उनको ठेके दिये जाए न कि सेठ साहुकारो को दिये जाए जैसा कि पिछली सरकार मे दिया जाता था।

Mr. Speaker: Naresh Yadav Ji, you are suggesting the things. Please put the question. This is not the way. Don't deliver the speech.

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै यह पूछना चाहता हू कि क्या नई सरकार ऐसा कोई प्रावधान कर रही है कि जिसके तहत हमारे इलाके के जितने पहाड, नदिया या खाने है उनके ठेके हमारे इलाके के बेरोजगार युवको को ही मिले। हमारे इलाके के एरियाज मे अभी तक नहरी पानी भी पूरा नही पहुंचा है जिसकी वजह से वहां पर काफी लोग बेरोजगार है।

Mr. Speaker: Naresh Yadav Ji, you are delivering the speech. Please put the supplementary.

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरी सप्लीमैटरी यही है कि क्या सरकार हमारे इलाके के पहाडो, नदियों, और खानो के ठेके हमारे इलाके के बेरोजगार युवको को देने का कोई प्रावधान करने जा रही है या नही?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि हरियाणा मे 2 तरह के मिनलर्ज है एक मेजर मिनर्लज और दूसरे माइनर मिनर्लज। मेरज मिनर्लज हमारे यहां दो प्रकार है एक सिलिका सैण्ड और दूसरे स्कूल स्लैट। इनकी इस समय 2 माईन्ज चल रही है बाकी सारी माईन्ज सुप्रीम कोर्ट के आदे ाो के बाद बन्द कर दी गई है। 2 माईन्ज एक फरीदाबाद मे है और एक महेन्द्रगढ मे है। माईन्ज आफ मिनर्लज एक्ट जो भारत सरकार के द्वारा बनाया गया है उसके अन्दर इनको देने की प्रक्रिया है। इस एक्ट के तहत प्रोसपैक्टिंग का लाइसैंस लेना पडता है और जिसको प्रोसपैक्टिंग का लाइसैंस मिलेगा अगर उसको वहां मेजर मिनर्लज मिल जाएगा तो फिर उसको उस खनिज पदार्थ की माइन को लेने का प्रफेरैि ायल राइट हो जाता है। अगर कोई भी सोसायटी चाहे वे बेरोजगार युवको को हो या फिर कोई दूसरी हो वह इस प्रकार के लाइसैंस के लिए भारत सरकार को एप्लाई करेगी तो मुझे वि वास है कि वे भारत सरकार अव य ही इस पर विचार करेगी। जहां तक माईनर मिनरलज के बोर मे हमारे सदस्य ने चर्चा की है उसके लिए हमारी सरकार ने स्पश्ट नीति बनाई है और वह नीति है साल दर साल आंक ान की। इस सरकार के बनने के बाद मै माननीय साथी को बातना चाहूंगा कि केवल दो

माईन्ज समय पूरा होने के बाद आंक ान के लिए आई थी। एक का समय दस महीन का है और दूसरी का समय 2.5.2005 से 31. 3.2008 तक है तकरीबन तीन साल के लिए हैं। पंचकुला की पिछली सरकार के समय मे जो आंक ान 9.50 करोड रूपये की हुई थी वही अब उसकी आंक ान 35 करोड 41 लाख 6 हजार रूपये मे की है। इससे आप अन्दाजा लगा सकते है कि कितनी अधिक बढोतरी हमारी सरकार ने की है। दूसरी माईन स्टोन क्यूरी फरीदाबाद थी जिसकी आक ांन पिछली सरकार के समय मे 2.50 करोड रूपये की गई थी और हअब हमने उसकी आक ान 5.50 करोड रूपये मे की है। अध्यक्ष महोदय, मै पूरे सदन को आ वस्त करना चाहूंगा कि यह राजस्व से जुडा हुआ मामला है और हमारी सरकार ने माईन्ज पब्लिक आंक ान मे देने का फैसला किया है। आप यह वि वास रखिये कि जो माईन्ज है वे आक ांन के द्वारा पूरे पारद र्ी तरीके से दी जायेगी। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चाहे सोसायटी हो या कोई दूसरा व्यक्ति हो हर व्यक्ति बोली लगाकर माईन्ज लेने के लिए स्वंतत्र है।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हू कि पिछली सरकार के समय मे कुछ लोगो को निजी फायदा पहुंचाने के लिए गलत तरीके से माईन्ज लीज पर दी गई थी। इस बारे मे पहले भी काफी बहस हुई है। क्या मौजूदा सरकार पिछली सरकार के समय मे जो गलत तरीके से लीज दी गई है उन पर पुनर्विचार करके उनकी इन्क्वायरी करवाने के बाद उन लीजो का आवंटन ठीक ढंग से करायेगी या

नही इसके साथ ही साथ मै यह भी चाहूंगा कि वहां जो नायायज टैक्स लिया जाता था क्या उसको रोका जायेगा?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी को ई ाार भाायद उस वि ोश प्रकार के टैक्स की तरफ है जो पिछली सरकार के समय मे भिवानी जिले और दूसरे क्षेत्रो मे वसूला जाता था। अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से माननीय साथी और पूरे सदन को बताना चाहता हू कि इस सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री जी ने बडा स्पश्ट और स्टिंक निर्णय लिया है कि किसी प्रकार का गलत टैक्स अब हरियाणा मे वसूला नही जायेगा। इसके साथ साथ मै पूरे सदन को आ वास्त करना चाहता हू कि जिस किसी वि ोश माईन की ि ाकायत तथ्यो के साथ कोई भी साथी देगा जो गलत तरीके से दी गई हो उसको जांच कराई जायेगी और दोशियो को सजा दी जायेगी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राधे याम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि माईन्ज से जो लोग बजरी निकालते है वे बजरी के साथ साथ पेडो को भी काटते है। क्या उन लोगो को पेड काटने की इजाजत सरकार की तरफ से दी हुई है? यदि नही दी गई तो क्या उन लोगो को पेड काटने से रोक जायेगा?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि पेडो को काटने की इजाजत किसी व्यक्ति को नही है। जहां कही भी ऐसा हो रहा

है अगर उसके बारे मे कोई भी साथी तथ्यो के साथ ि ाकायत करेगा तो उनके खिलाफ सरकार कार्यवाही करेगी।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण अब प्र ानकाल समाप्त होता है।

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Compute Education

57. Shri Sher Singh: Will the Minister for Education be pleased to be state whether the Government is formulating any scheme to impart computer education on its own expenditure or charging the minimum fee so that the poor students could also benefit therefrom?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): इस समय कुछ राजकीय महाविधालयो मे बी0एस0सी0 तथ बी0काम0 स्तरपर ऐच्छिक विशय के रूप मे कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान की जा रही है। जिसके लिये कोई अतिरिक्त भाुल्क नही लिया जाता है। कुछ राजकीय महाविधालयो मे सेवा प्रदाताओ के माध्यम से भी छात्रो को पूर्णतः ऐच्छिक आधार पर कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान की जा रही है। इसके लिए सेवा प्रदाताओ को भाुल्क अदा किया जाता है।

राजकीय महाविधालयो मे भी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान की जा रही है जहां छात्रो द्वारा सेवा प्रदाताओ को निर्धारित भाुल्क की अदायगी की जाती है वर्तमान वर्श 2005–06 के लिये सरकार लगभग 100 विधालयो मे कम्प्यूटर

ि ाक्षा प्रदान करने के लिये एक स्कीम तैयार कर रही है जहां छात्रो से कोई अतिरिक्त भाुल्क/प्रभार वसूल नही किया जायेगा। यह स्कील लागू करने से पहले भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त करना अपेक्षित होगा।

घोशणाए

Reduction in Yield of Wheat

2. Shir Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) whether any reduction/declinein the per acre yield of wheat in the State been reported during Rs. 2004-2005 due to adverse weather condition; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the state Governement to provide compensation to the farmers in the loss in the yield of wheat?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) हा, महेादय।

(ख) रबी 2004–2005 के दौरान ओला वृश्टि के कारण हुई हानि का मुआवजा पहले ही अदा किया जा चुका है।

Anaj Mandi in the State

8. Shri Dharma Pal singh Malik : Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) the total number of Anaj Mandi in the State registered with the Hayana State Agricultural Marketing Board as for Rabi Crops 2005; and

(b) the number of Anaj Mandi out of those referred to in part (a) above, do not have the proper facilities of sheds, flooring, drinking water and lighting, togetherwith the steps proposed tobe taken to improve these Anaj Mandi.?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा 105 मुख्य वार्ड व 70 उप वार्ड अधिसूचित है तथा 173 खरीद केन्द्र रबी फसल 2005 मे खोले गए।

(ख) रबी 2005 मे सभी मंडियो मे पीने का पानी तथा रो ानी लाईट की सुविधा उपलब्ध है। ये सुविधाए खरीद केन्द्रो मे रबी 2005 मे भी प्रदान की गई है।

भौडो व फ र्ा की सुविधा क्रम ाः 78 व 4 अनाज मडियों मे उपलब्ध नही है। इन सुविधाओ को कृशि उपज की मंडियो मे आवक और भूमि फण्ड्स की उपलब्धता के आधार पर प्रदान करने के लिए चरणबद्ध पग उठाए जा रहे है।

Drainage System in Bhiwani City

28. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Minister for Transport be pleased to be state-

(a) whether the Government is aware of the fact that the drainage system of Bhiwani City is improper because of which many colonies sub merge even due to slight rain; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Governement to improve the drainage system of the aforesaid city?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):

(क) श्रीमान जी, उचित निकास प्रणाली भिवानी भाहर के केवल 25 प्रति ात क्षेत्र से प्रदान की गई है, परिणाम स्वरूप वर्शा के समय निचाई मे स्थिति क्षेत्रो मे कुछ सयम के लिस पानी भर जाता है।

(ख) रबी 2004–2005 , मे भाहर के निचाई मे स्थित क्षेत्रो से निकास प्रणाली की बढौतरी हेतु 15500 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसके अन्तर्गत कार्य प्रगति पर है।

Opening of Treausy of Narnanud

24. Shri Ram Kumar Gautam: Will the Minister for Finance be pleased to be state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Treasury City; District Hisar?

वित मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): नारनौंद जिला हिसार मे पहले से ही दिनांक 13.1.1997 से उप खजानो कार्य कर रहा है।

Opening of Sainik School and Recruitment officers at Gurgaon

47. Shri Sukhbir Singh Sohand : Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government ot reopen the Sainik recruitment officer in Gurgaon closed down in the year 1996; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Governement to open a Sainik School at Gurgaon?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नही श्रीमान जी।

(ख) नही श्रीमान जी।

Setting up of University; Mohindergarh

20. Shri Narsh Yadav: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a University in district Mohindergarh?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): नही श्रीमान जी।

Reclassifiction of Cities

58. Shri Sher Singh: Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) whether it is fact that Central Government has reclassified the cities on the basis of the census of 2001; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Governement to reclassify the cities of the State on the census of 2001, togetherwith the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) हा, महेादय।

(ख) नही। राज्य सरकार भाहरो का वर्गीकरण करने बारे केन्द्रीय पद्धति का अनुकरण नही करती।

अतारांकित प्र ान एवम उतर

Construction of Roads in District Sonepat

1. Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) the name of the roads in Sonepat District which have been metalled during the year 2004; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Governement to construct metalled roads in the aforesaid district during the year 2005-2006; if so, the details there of ?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) जिला सोनीपत मे वर्श 2004–2005 के दौरान निम्नलिखित सडको को पक्का किया गया है:–

(i) लोक निर्माण भवन व सडक भााखा द्वारा

1. रिदान से धडवाल

2. भाबड से मेहराडा

3. माहरा से रभडा

4. राठधना से लिवान

(ii) हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा

1. खेडी मनाजाट से मुनीरपुर

2. मेहदीपुर से बख्तावरपुर

3. मुरथल से मुकीमपुर

4. जगदी ापुर से जठेडी

5. राठधना से बहालगढ सडक

6. खेबडा से ओरगांबाद

7. जुआं से भाम ानघाट

8. जाटी से खुर्द से ताजपुर

9. भााहपुर तगा से सनपेडा

10. तेवडी से सदढाना

11. बलकुतबपुर से पुगथाला

12. हसनपुर से धतुरी

13. नयाबांस से सरदाना

14. कुराड इबराहिमपुर से भुगरमिल

15. हसनपुर से धतुरी

16. खुबडु से भावर

17. बडी से पिपली खेडा

18. सरगथल रेस्टहाउस

19. विलविलान स्कूल से गोहाना खरखौदा सडक

20. आबंली से रिठाल

21. हुडा वाला से सरफाबाद

22. छतैरा से मातण्ड

(ख) जिला सोनीपत मे वर्श 2005–06 के दौरान निम्नलिखित सडको को पक्का करने का प्रस्ताव है।

(i) लोक निर्माण भवन व सडक भााखा द्वारा

1. नाहरी से मल्लाह माजरा

(ii) हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा

1. सिलाना से चौलका

2. सफियाबाद से नाहरी

3. राठधना से बहालगढ

4. जैनपुर से बख्तावरपुर

5. जाटी खुर्द से दिपालपुर

6. खेवडा से दिपलपुर

7. गुमड से गदी झजारा

8. लडसौली से राजपुर

9. खरखौदां सडक से बरौटा बस अडडा

10. हुडावाला से सरफाबाद

11. मिरजापुर से खेडी से सांधी

12. कथुरा से छिछराना

Opening of Voctional Institure at Village Fetehpur Biloch

2. Miss Sharda Rathore : Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) whether it is fact sanction for the opeing of Vocational Institute at Village Fethepur Biloch in Bllabgarh Consituency has been accorded by the Government; if so, the present position thereof; and

(b) if the reply to part (a) above be in negative whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Vocational Instituate in the aforesaid village?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द):

(ए) गांव फतेहपुर बिलोच मे व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान खोलने के लिए सरकार के किसी प्रकार की कोई स्वीकृति प्राप्त नही हुई है।

(बी) गांव फतेहपुर बिलोच मे व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान खोलने के लिए सरकार के पास कोई मामला विचारधीन नही है।

Taking Over the Control of Agra Canal

3. Miss Sharda Rathore: Will the Minister for Irrigation be pleased to be state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to take over the controal of the Head works of Agra Canal; and

(b) if the reply to part (a) above be in negative whether there is any proposal under consideration a separate channel form Okhala head Works alongwith Agra Canal to take up the share of water of Haryana State?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) जी नही, महोदय।

(ख) जी नही, महोदय।

Construction of Sprots Complets

4. Miss Sharda Rathore: Will the Chief Minister be pleased to state -

(a) whether it is fact that the section for the construction of sports complex in village Ucha in Ballabhagarh Contituency; has been accorded by the Government; if so, details thereof?

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): नही, महोदय।

Number of Unapproved Colonies

3. Miss Sharda Rathore: Will the Minister for Industries be pleased to be state-

(a) the number of un approved colonies developed in the surrounding of Ballabgarh deuring last ten years;

(b) the number of colonies out of those referred toin part (a) abvoe the controal of the Head works of Agra Canal; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to approve the remaining un approved colonies;

(d) whether it is a fact that some colonies referred to in part (a) above have been approved partially; if so, the names there of alongwith the reason of partial approval of such colonies; and

(e) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide civic amenities to the newly approved colonies

उधोग मंत्री (श्री लक्षमन दास अरोडा): श्री मान जी।

(क) 1996 से बल्लभगढ के चारो और 22 अनधिकृत कालोनियो विकसित हुई है।

(ख) ऊपर भाग (क) मे सन्दर्भित 22 कालोनियां मे से किसी भी कालोनी को स्वीकृत नही किया गया।

(ग) इस समय सरकार के पास इन कालोनियों को स्वीकृत करने बारे कोई प्रस्ताव नही है।

(घ) बल्लभगढ के चारो और विकसित अधिकतर अनाधिकृत कालोनियों पहले से ही स्वीकृत कालोनियों का विस्तार है। 1994 तथा 1995 मे स्वीकृत की गई 21 कलोनियो के नाम

संलग्न सूचि मे दिये गये है। स्वीकृति जो विस्तार हुआ है, वे अनाधिकृत कालोनियां है।

(ड) सरकार की वर्तमान नीति अनुसार स्वीकृत कालोनियों मे नागरिक सुविधाये उपलब्ध कराई जाती है।

30.6.1994 को नियमित की गई कालोनियाः–

1. चावला कालोनी, एक्सटेन ान

2. लक्ष्मण कालोनी

3. ि ाव कालोनी एक्सटेन ान

4. अजी कालोनी

5. फ्रेण्डज कालोनी

6. राजा नाहर सिंह कालोनी

7. विजय नगर

8. बिल्लू सैनीनगर

10. आर्य नगर

11. भाटिया कालोनी एक्सटेन ान

12. यादव कालोनी

13. दौलत कालोनी

21.12.1995 नियमित की गई कालोनियाः–

1. कुन्दन कालोनी

2. राव कालोनी एक्सटेन्शन

3. भूदत कालोनी

4. भियम कालोनी

5. नाबलू कालोनी

6. संजय कालोनी

7. भगत सिंह कालोनी

8. भर्ग कालोनी एक्सटेन्शन

घोशणाए

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची

Mr. Speaker:: Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Hon'ble Spaeker nominated the following members to serve on the Panel of Chairpersons:-

1. Dr. Raghuvir Singh Kadian, M.L.A

2. Shri Anand Singh Dangi, M.L.A

3. Shri Balbir Pal Shah, M.L.A

4. Shri Balwant Singh Sadhaura M.L.A

(ii) सदस्यो द्वारा त्याग पत्र

Mr. Speaker:: Hon'ble Members, I am to inform the House that under Rule 58(2) of the Rules of Procdure and conduct of Business in the Haryana legislative Assembley that Shri kishan Hooda, MLA has resigned from his seat in the Haryana Legilative Assemble No. 29 Kiloi Assembly Constitueny his letter dated 5th April, 2005 which was accepted by me form the said date.

(iii) अनुपस्थित की सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an application dated nil from Shri Om Parkash Chautal, MLA which is as under.

"Dear Sir

I am informa you that due to may illness. I am unable to attend the ensuing Session of Haryana Vidhan Sabha.

Yours sincerely.

Sd/

Om Parkash Chautala

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महादेय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आपकी और हम सब की यह जिम्मेदारी बनती है कि जो सदन की मर्यादांए है और जो नियम है उन सब को मानना चाहिए। माननीय सदस्य चौधरी औमप्रका ा चौटाला

जी ने जो ऐप्लिके ान आपको भेजी है मै पूछना चाहता हू कि उन्होने यह एप्लीके ान किस रूल के तहत भेजी है और उसकी क्या जरूरत है ?

श्री अध्यक्षः कोई जरूरत नही है। परन्तु I hae to informa the House, Please take your seat (Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय चौटाला साहब अगर कही हमारी आवाज सुन रहे हो तो मै आपके माध्यम से उनसे यह कहना चाहता हू कि उन्हे हाउस मे आना चाहिए। हमने यह चौटाला देखा था जो रावण जैसा अहंकार से भरा हुआ था और आदमी नही समझता था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अब आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न)

डा सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। (विघ्न)

Mr. Speaker: Please do not disturib. I have not allowed any body to speak (Interruptions) I have not allowed him.

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, प्वांयट आफ आर्डर पर प्चांयट आफ आर्डर नही होता। ये खुद संसद सदस्य रहे है इसलिए इन्हे ये सारी बाते तो पता होनी चाहिए।

Mr. Speaker: Is it the pleasure of the House that the leave of absence be granted to Shri Om Parkash Chautala,

MLA to remain absent during the current Budget Session of Haryana Vidhan Sabha.

Question is

That permission for leave of absesnce be granted.

The motion was carried

(iii) सचिव द्वारा

राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो संबधी

Mr. Speaker:: Now, the Secretary will make announcements.

सचिवः महोदय, मै उन विधेयको को द र्ाने वाले विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2005 मे हुए सत्र मे पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हू–

1. The Haryana Appropriation (No .1) Bill, 2005.

2. The Haryana Appropriation Vote on Account (No .2) Bill, 2005.

3. The Haryana Staff Selection Commission (Repeal) Bill, 2005.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker:: Now, the Parliamentary

Affairs Minister will move the motion under Rule 121 for the suspenstion of Rule 30.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, 9th June, 2005.

Sir I also move-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business be suspended and Government Business be transacted on 9th June, 2005.

Mr. Speaker: Motion move-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business besuspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, 9th June, 2005.

And also-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business be suspended and Government Business be transacted on 9th June, 2005.

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business besuspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, 9th June, 2005.

And also-

That Rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Business be suspended and Government Business be transacted on 9th June, 2005.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे । करना

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of the various Business fixed by the Business Advisory Committee.

The Commitee meet at 12.30 P.M. on Thursday, the 9th June, 2005 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 P.M. Tuesday, Wednesday, and Friday will meet at 9.30 A.M and adjourn at adjourn at 12.30 P.m without question being put.

The Committee also recommends that the business on Monday, 20th June, 2005, the Assembly shall meet at 2.00 P.M and adjorn after the conclusion of the business entered in the list of business for the day.

The Committee after some discussion also recommends that the business on 9th to 13th to 17th September, 2005, be transacted by the Sabha as follows:-

Thursday, the 9th June, 2005 (2-00 P.M)	1	Oath/affirmation
	2.	Obituary Referecnes

	3	Question Hour.
	4.	Motion under Rule 121 for suspension of Rule 30.
	5	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	6.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	7.	Presentation of four Premliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports thereon.
Monday the 13th June, 2005 (2-00 P.M)	1	Question Hour.
	2	General Discussion on Budget Estimates for the 2002-2003

Tuesday, 14th June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour.
	2.	Papers to be laid, if any
	3.	Resumption of Gereral discussion on Budget Estmates for the year 2005-2006
Wednesday, the 15th June, 2005 (2-00 P.M)	2.	Question Hour.
	2.	Resumption of Gereral discussion on Budget Estmates for the year 2005-2006 and reply by the Finacne Minister thereon.
	3.	Discussion and Votingon Demands for Grants on Budget Estimates for the year 2005-2006
Thursday, the 16th June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour.

	2.	Non official Business
Friday, the 17th June June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour.
	2.	The Hayana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2005-2006
Monday, the 20th June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour
	2.	Motion uder rule 15 regarding Non stop sitting
	3	Motion uder rule 15 regarding Non stop sitting
	4.	Legilative Business
	5.	Any other Business.”

Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) Sir, I beg to move-

That the House agress with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Mr. Speker: Motion moved-

That the House agress with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Mr. Speker: Question is-

That the House agress with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

The motion was carried

सदन के मेज पर रखे गए पुन रखे गए कागज

Mr. Speker: Now, a Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) Sir, I beg to lay on the Table-

The Haryana Public Sevice Commission (Additional Functions) Amendment Ordinace, 2005 (Haryana Ordinance No. 1 of 2005)

The Haryana Value Added Tax (Amendment) Ordinace, 2005 (Haryana Ordinance No. 2 of 2005)

The Haryana Legislavtive Assembly (Allowances ad Pension of Members) Ammendment Ordinace, 2005 (Haryana Ordinance No. 3 of 2005)

Sir, I beg to lay on the Table-

The Parliamentary Affairs Department Notfication No. S.O 45/ H.A 9/1979/S. 8/2004, dated the 29th April, 2004, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) second amendemtn Rules, 2004, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

The Education Department Notification No. S.O 22/ H.A 12/1999/S. 24/2004, dated the 20th February, 2004, regarding the Haryana School Education (Amendemet) Rules, 2004, as required under section 24(3) of the Haryana School Education Act, 1995.

The Education Department Notification No. S.O 67/ H.A 12/1999/S. 24/2004, dated the 11th August, 2004, regarding the Haryana School Education (Amendemet) Rules, 2004, as required under section 24(3) of the Haryana School Education Act, 1995.

The Parliamentary Affairs Department Notfication No. S.O 153/ H.A 9/1979/S. 3 and 8/2004, dated the 1st October, 2004, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) second amendemtn Rules, 2004, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

Sir, I beg to lay on the Table-

The Town and Conntry Planning Department Notification No. DS-11-05/4737 dated the 23rd May, 2005,

regarding the Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendemet) Rules, 2004, as required under section 24(3) of the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1995.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 38/H.A 6/2003/S. 60/2005 dated the 26th May, 2005 regarding the Haryana Value Added Tax (Amendemet) Rules, 2004, as required under section 60 (4) of the Haryana Value Added Tax Act, 1995.

The Personeel Department Notification No. G.S.R 37/Const/Art320/2004 dated 14th December, 2004 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Fujnctions) Amendment Reuglation, 2004, as required uner Article 320(5) of the Consitution of India.

The Personeel Department Notification No. G.S.R 38/Const/Art320/2004 dated 14th December, 2004 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Fujnctions) Amendment Reuglation, 2004, as required uner Article 320(5) of the Consitution of India.

The Annula Report on the working of Hayana, Public Service Commission for the year 2002-2003, as required uner section 323(2) of the Consitution of India.

The 4th Annual Report of Uttar Haryana Bijli Virtan nigam Limited for the year 2002-2003, as required uner section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 6th Annual Report of Uttar Haryana Bijli Virtan nigam Limited for the year 2002-2003, as required uner section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 30th Annual Report of Uttar Haryana Bijli Virtan nigam Limited for the year 2003-2004, as required uner section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 36th Annual Report of Uttar Haryana Bijli Virtan nigam Limited for the year 2002-2003, as required uner section 619-A(3) (b) of the Warehousing Corporations Act, 1956.

The Annula Report of Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 2000-2001, as required uner section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultrual Universities Act 1970.

The Annula Report of Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 2001-2002, as required uner section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultrual Universities Act 1970.

The 29th Annual Report of Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited, for the year 2002-2003, as required uner section 619-A(3) (b) of the Warehousing Corporations Act, 1956.

The 30th Annual Report of Uttar Haryana Bijli Virtan nigam Limited for the year 2003-2004, as required uner section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

वर्श 2005–06 के बजट अनुमान प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Hon'bl;e Members, now the Finance Minister will present the Budget Estimates for the year 2005-06.

वित मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै इस गरिमामय सदन मे वर्श 2005–06 का वार्शिक बजट प्रस्तुत करने जा रहा हू।

1. प्रारम्भ मे, मै आपके सम्मानित सहयोगियो स्वर्गीय श्री ओम प्रका ा जिन्दल तथा स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र सिंह के आकस्मिक एवम दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। इनके निधन से हरियाणावासियों के ह्रदय कमे जो रिक्त स्थान पैदा हुआ है, उसकी क्षतिपूर्ति करना कठिन है।

2. मैने 23 मार्च, 2005 को चालू वर्श के प्रथम तीन मास के सरकार के खर्च को पूरा करने के लिए लेखानुदान की प्राप्ति हेतु एक अन्तरिम बजट प्रस्तुत किया था। अब मै सदस्यो के विचारवर्श एवम अनुमोदनार्थ वर्श 2005–06 के लिये राज्य सरकार का पूर्ण बजट प्रस्तुत कर रहा हू।

आर्थिक स्थिति

3. माननीय सदस्यो को याद होगा कि वर्श 1991 मे केन्द्र मे कांग्रेस सतारूढ होने के बाद तत्कालीन केन्द्रीय वित मंत्री डा0 मनमोहन सिंह, जो अब हमारे प्रधानमंत्री है, ने प्रमुख ढांचगत आर्थिक सुधार भाुरू किये, जिनको बाद मे दे ा मे व्यापक रूप से स्वीकार किया गया और जिनकी अन्तर्राश्ट्रीय समुदाय द्वारा भी सराहना की गई। परिमणामस्वरूप, दे ा निरन्तर प्रगति करते हुए आर्थिक समुदाय द्वारा भी सराहना की गई। परिणामस्वरूप, दे ा निरन्तर प्रगति करते हुए आर्थिक ताकत और स्थिरता की गई ऊचांईयों पर पहुचे गया है। हरियाणा राज्य मे आर्थिक उदारीकरण

के लाभो को सचित करके अपने आर्थिक आधार को सुदृढ किया है।

4. मैने लेखानुदान प्रस्तुत करते हुए कहा था यूपीए सरकार द्वारा मई, 2004 मे केन्द्र मे सतारूढ होने के बाद अपनाये गये नये विकास पथ, जिसमे मानव संसधान विकास और जन साधारण के कल्याण पर ध्यान केन्द्रित किया गया था, से राश्ट्रीय अर्थ व्यवस्था को नई नीति मिली। राश्ट्र स्तर के आर्थिक परिदृ य से राज्य अछूते नही रह सकते। माननीय सदस्यो को पहले से ही वितरित हरियाणा आर्थिक सर्वेक्षण, जिसमे राज्य की समय आर्थिक स्थिति पर प्रका ा डाला गया है, इस तथ्य का साक्षी है। इसमे द ार्ाया गया है कि स्थिर मूल्यो 1993–94 पर हरियाणा के सकल घरेलू उत्पाद मे 8.6 प्रति ात की वृद्धि हुई यह वर्श 2002–03 मे 36.834 करोड रूपये से बढाकर वर्श 2003–04 मे 39993 करोड रूपये हो गया। आर्थिक सर्वेक्षणा से यह भी पता चलता है कि वर्श 2003–04 मे 39.993 करोड रूपये हो गया। आर्थिक सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि वर्श 2003–04 मे सकल राज्य घरेलू उत्पादन मे कृशि समेत प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 29.6 प्रति ात रहा, जबकि द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का योगदान क्रम ाः 27.8 प्रति ात और 42.6 प्रति ात रहा। सेवा क्षेत्र के हिस्से मे निरन्तर वृद्वि इस बात का सूचक है कि अर्थ व्यवस्थी यही दि ाा मे आगे बढ रही है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

बरहवा वितायोग

6. बारहवे वितायोग की सिफारि ाो से वर्श 2005–10 तक की पांच वर्श की अवधि के दौरान राज्य अर्थ व्यवस्था पर महत्वपूर्ण पडेगा। आयोग के दृश्ब्टकोण से पता चलता है कि हरियाणा जैसे बेहतर वितीय प्रबन्धन वाले राज्यो को जनसंख्या, आय और कर प्रयासो जैसे मापदण्डो को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिये पुरस्कृत करने के प्रयास नही किये गये है। केन्द्रीय करो के हरियाणा के हिस्से मे मामूली वृद्वि हुई है और यह 0.944 प्रति ात, जैसा कि ग्याहरवे वितायोग मे सिफारि ा की थी, से बढाकर 1075 प्रति ात हो गया है इसी प्रकार कुल हस्तांरतण मे भी हरियाणा के हिस्से मे मामूली वृद्वि हुई है और यह 0967 से बढाकर 1.064 हो गया है। मै इस गरिमामय सदन को सूचित करना चाहूंगा कि हमारे राज्य को आयोग द्वारा अन्य राज्यो के लिय सिफारि ा किये गये घाटानुदान तथा ि ाक्षा व स्वास्थय के लिए उन्नयन अनुदान से वचिंत रखा गया है। हमने इस मुद्दे पर अपनी चिन्ता पहले ही व्यक्त कर दी है और भविश्य मे भी कहते रहेगे कि हमे जो मिलना चाहिए था, वो नही मिला।

7. बारहवे वितयोग ने सिफारि ा की है कि प्रत्येक राज्य को चाहिए कि वह वि ि श्ट राजकोशीय लक्ष्य निर्धारित करते हुए एक राजकोशीय उतरदायित्व कानून बनाये ताकि वर्श 2008–09 तक राजस्व घाटे का समाप्त किया जा सके और वर्श 2009–10 तक राजकोशीय घाटे को कम करके सकल राज्य घरेलू उत्पाद के तीन प्रति ात स्तर पर लाया जा सके। आयोग ने राज्यो के लिये दो ऋण राहत योजनाओ की भी सिफारि ा की है और इन दोनो योजनाओ का लाभ उठाने के लिय राजकोशीय

उतरदायित्व कानून के निर्माण को आव यक पूर्ण भार्तें बनाया गया है वर्श 2005–10 तक की पांच वर्श की अवधि के दौरान दोनो योजनाओ के अन्तर्गत हरियाणा को देय कुल वितीय लाभो की रा ि ा 1029.70 करोड रूपये बनती है।

वार्शिक योजना 2005–06

8. माननीय सदस्यो को याद होगा कि मैने लेखानुदान प्रस्तुत करते समय इस गरिमामय सदन को सूचित किया गया था कि पिछली सरकार ने राज्य के चहुमुखी विकास के लिए व्यापक दीर्घकालिक दृश्टिकोण नही अपनाया। हमे संसाधनो मे वृद्धि और धन का पुन आंबटन करने के लिये कठोर परिश्रम करना पडा ताकि हम भविश्य मे सतुंलित विकास की रूपरेखा तैयार करने मे सक्ष्म हो सके। हमे यह भी सुनि ि त करना पडा कि हमारी प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओ की पूर्णत पूर्ति हो। हमने समानता और सामाजिक न्याय के साथ सतुंलित विकास की अपनी नीति के अनुरूप वर्श 2005–06 के लिये 3000 करोड रूपये का योजनागत परिव्यय निर्धारित किया है, जो वर्श 2004–05, के 2236,72 करेाड रूपये के स ाोधित परिव्यय के मुकाबले 34 प्रति ात अधिक है। परिव्यय मे यह रिकार्ड वृद्धि है। इस परिव्यय को भारत के योजना आयोग ने 19 मई, 2005 को मुख्यमंत्री महोदय के साथ हुई एक बैठक मे पहले अनुमोदित कर दिया है।

9. हमारे सरकार ने सामाजिक सेवाओ और भौतिक आधारभूत संरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। तदनुसार, सामाजिक सेवाओ और भौतिक आधारभूत संरचना के

विकास को सर्वोच्च प्राथमिकतादी है। तदनुसार, सामाजिक सेवा क्षेत्र के लिये 1352.96 करोड रूपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है, जो योजनागत परिव्यय का 45.10 प्रति ात है। इसमे समाज कल्याण के लिये 442 करोड रूपये की रा ि ा भी भाामिल है। वयोवृद्धि नागरिको, विकलागो, विधवाओ और निराश्रितो की पें ान पर वि ोश ध्यान दिया गया है, क्योकि इनके प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है। जलापूर्ति और स्वच्छता के लिये 280 करोड रूपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई है और तकनीकी ि ाक्षा समेत ि ाक्षा के लिये 279.66 करोड रूपये, स्वास्थ्य सेवाओ के लिये 102 करोड रूपये, भाहरी विकास के लिये 90.89 करोड रूपये तथा महिला एवम बाल विकास कार्यक्रमो के लिये 26 करोड रूपये का परिव्यय निर्धारित किया गया हैं

10. आधारभूत संरचना के विकास के लिये 1180.20 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है, जो कुल योजनागत परिव्यय का 39.34 प्रति ात है। ऐसा करते समय 4.49 करोड रूपये के परिव्यय की व्यवस्था करके बिजली उत्पादन, सम्प्रेशण तथा वितरण को प्राथमिकता दी गई है सिचाई के लिये 393 करोड रूपये और सडको व सडक परिवहन के लिये 338.20 करोड रूपये की रा ि ा रखी गई है।

11.अध्यक्ष महोदय, मुझे आ ाा है कि प्रस्ताविक निवे ा से आर्थिक विकास, गरीबी कम करने तथा मानव कल्याण के कार्यो को पर्याप्त गति मिलेगी।

हमारी प्रथामिकताये

12. माननीय सदस्य इस बात पर सहमत होगे कि हरियाणा के लोगो ने परिवर्तन, नये नेतृत्व, नई नीतियां और जनसाधारण, जो हमारी सरकार के राजनैतिक द र्ान का केन्द्र बिन्दु है, के कल्याण के लिये मत दिया था। हमारा परम कर्तव्य है कि हम लोगो को स्वच्छ एवम कल्याणकारी भाासन प्रदान करके उनमे वि वास की भावना पैदा करे, जिसमे उन्हे भय, आंतक और असुरक्षा से राहत मिलेगी। हमने भाासन काल की बागडौर सम्भालते ही प्रदे ा मे व्याप्त अराजकता की समस्या का समाधान किया और प्र ाासन को स्पश्ट संदे ा दिया कि वह राज्य मे भाांत व सुव्ववस्थित वातावरण कायम करे। हम लोगो मे वि वास पैदा करने मे सफल हुए है। भय की भावना धीरे धीरे समाप्त हो रही है।

13. हरियाणा विधानसभा के हाल ही तीन उप चुनावो मे पार्टी को भारी बहुमत से मिली रिकार्डतोड ऐताहासिक जीत से इस बात की पृश्टि हो जाती है कि हरियाणा के लोगो को हमारी प्रगति ाील नीतियों मे गहरी आस्था है।

14. हमारी सरकार गरीब व किसान हितैशी है और हम किसानो के मुद्दो पर सवेंदन ाीला के साथ विचार करने की नीति मे वि वास रखते है। हमे भाासन की बागडोर संभालते ही भारी वर्शा और ओलावृश्टि से खडी फसलो को हुए नुकसान के लिये किसानो को राहत प्रदान करने की समस्या से दो चार होना पडा। ऐसा महसूस किया गया कि फसलो के नुकसान के लिये राहत प्रदान करने के वर्तमान मानदण्ड बिल्कुल अपर्याप्त है। परिणामस्वरूप, इनमे गेहूं की फसल के लिये 50 प्रति ात और

अन्य फसलो के लिये 25 प्रति ात की वृद्धि की गई तथा प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिये तत्काल 54.82 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई। यही नही, हमने फरवरी, 2005 मे हुए फसली नुकसान के लिये भी किसानो को इसी ऊंची दर से मुआवजा प्रदान किया। वर्श 2005–06 के लिय आपदा राहत कोश की वार्शिक रा ि ा मे पर्याप्त वृद्धि करके इसे 124.37 करोड रूपये कर दिया गया। हमे आ ाा है यह है कि रा ि ा प्राकृतिक आपदाओ की स्थिति मे राहत जरूरतो को पूरा करने के लिये पर्याप्त होगी।

15. साथ ही, सार्वजनिक उद्दे य के लिये अधिग्रहण की जाने वाली भूमि के लिये दिया जाने वाला मुआवजा निर्धारित कर दिया गया है, जिसकी न्यूनतम दर गुडगांव मे 15 लाख रूपये प्रति एकड, पंचकूला तथा चण्डीगढ के निकट के क्षेत्रो मे पांच लाख रूपये प्रति एकड होगी। इससे लोगो को न्याय मिलेगा और सरकार द्वारा अधिग्रहण की जाने वाली भूमि के लिये उचित मुआवजा दिये जाने की उनकी मांग भी पूरी हो जायेगी। इस उपाय से किसानो को काफी राहत मिलेगी और विभिन्न न्यायिक अदातलो मे मुकदमेबाजी मे भी कभी आयेंगी, जिस पर किसानो का काफी धन और समय खर्च होता है। यह हमारे चुनावी आ वासनो मे से एक था और मुझे यह घोशणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने इस वायदे को पूरा कर दिया है।

16. अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार समझौते और बातचीत की नीति मे वि वास रखती हैं। सरकार ने किसानो के बिजली के बकाया बिलो के सवेंदन ील मुद्दे के समाधान के

लिये मेरी अध्यक्षता मे एक समिति गठित की है। हमारी सरकार सता के विकेन्द्रीकरण के सिद्धान्त मे वि वास रखती है। ग्राम विकास समितियों जैसे अंसवैधानिक संस्थाओ को भंग करके पंचायती राज संस्थाओ जैसे सवैधानिक संस्थाओ की स्वयतता बहाल की गई है।

17. सतलुज नहर योजक नहर एस0वाई0एल0 हमारी सिचाई नीति का केन्द्र बिन्दु है सरकार इस नहर के निर्माण कार्य को भीघ्र पूरा करवाने तथा नदी जल मे राज्य के हिस्से को सुरक्षित रखने के लिए वचनबद्ध है हम यह सुनि चत करेगे कि राज्य के साथ अन्याय न हो। हमारी सरकार पंजाब समझौता निरस्तीकरण अधिनियम, 2004 की भर्त्सना करती है और सरकार का दृढ वि वास है कि यह हमारे न्यायोचित हिस्से का पानी राज्य मे लाये जाने के मार्ग मे बाधा नही बनेगा।

18. राज्य के सभी क्षेत्रो को पानी का समान व न्यायोचित वितरण करना वर्तमान सरकार की एक अन्य प्राथमिकता है हमने पानी की कमी वाले हरियाणा के दक्षिणी तथा दक्षिणी प चमी भागो को अतिरिक्त पानी उपलब्ध करवाने के लिये कदम उठाये है। इसके अतिरिक्त हमने तेजी से हो रहे भाहरीकरण के कारण गुडगांव मे हुई पानी की कमी को पूरा करने हेतू गुडगांव व मानेसर की पेयजल सप्लाई मे वृद्धि करने के लिये एक योजना भारू की है।

19. हमारी सरकार भाहरी स्थानीयो निकामो की वितीय स्थिति सुदृढ करने के लिए उत्सुक है हमने भाहरी आधारभूत

संरचना के विकास के लिये वि ोश धनरा ि निर्धारित की है। भाहरी नवीनकरण मि ान गठित करने का श्रेय डा0 मनमहोन सिंह के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार को जाता है। इस मि ान के तहत दे ा मे कुछेक बडे भाहरो को वि ोश सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। इस परजियोना के प्रथम चरण मे ऐसे महानगरो के रूप मे फरीदबाद का चयन किया गया है लेकिन मुख्यमंत्री के प्रयासो से हमने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि अम्बाला और रोहतक को भी उन भाहरो की सूची मे भाामिल किया जाए, मुख्यमंत्री के प्रयासो से अम्बाला को भाामिल कर लिया गया है। जिनकी इस कार्यक्रम के तहत आधारभूत संरचना के उन्नयन तथा रख रखाव के लिए अलग से पर्याप्त धनरा ि की व्यवस्था की गई है। इसमे मै आपको एक बात कहना चाहता हू कि कई कई महीनो से म्यूनिसिपल कमेटियों के अन्दर मुलाजिमो को तनख्वाह नही दी गई थी और न पै ांन दी गई थी। इस साल अब ऐसी व्यवस्था कर दी गइ है कि सारे के सारे एरियर्ज को खत्म कर देगे।

20. ि ाक्षा वर्तमान सरकार के लिये प्राथमिकता का एक अन्य क्षेत्र है। राज्य के प्रत्येक जिले मे एक माडल स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव है लगभग 3 करोड रूपया एक स्कूल पर खर्च होगा जो उच्चकोटि की ि ाक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्प्रेरक का काम करेगा। जैसाकि माननीय सदस्यो ने समाचार पत्रो मे पढा है कि प्रस्ताविक **राजीव गांधी एजुके ान सिटी** जैव प्रौधोगिकी, सूक्ष्म वस्तु निर्माण प्रौधोगिकी नैनो टैक्नोलाजी और सूचना प्रौधागिकी समेत विभिन्न विशयो मे वि व स्तरीय ि ाक्षा प्रदान करके हरियाणावासियों के लिये श्रेश्ठ ि ाक्षा के एक केन्द्र

के रूप मे कार्य करेगी और यह ि ाक्षा क्षेत्र की उपलब्धियो मे एक मील का पत्थर साबित होगी। अच्छी ि ाक्षा हमारे छात्रो को बेहत नौकरियो के लिए प्रतिस्पर्धा करने मे सक्षम बनायेगी।

21. हम अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप सभी रोजगार सृजन योजनाओ को नई दि ाा प्रदान कर रहे है ताकि राज्य युवको को लाभादायक रोजगार उपलब्ध हो सके। सस्ती दर पर ऋण देने की योजनाओ के साथ साथ कृशि, उधोग तथा सेवा क्षेत्र मे मजदूरी आधारित तथा स्व रोजगार के अवसरो की तला ा की जा रही है। सरकार विदे ाो मे रोजगार से सम्बन्धित सूचना तथा सहायत प्रदान करने बारे निर्णय लेने के लिये एक विदे ाीय रोजगार ब्यूरो तथा उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करेगी इस समिति को प्लेसमैंट करने का और बच्चो को बाहर भजने का तथा उन्हे सुविधा देने का पूरा अधिकार होगा। बेरोजगारी भते के लिये पात्रता मानदण्डो को भी तर्कसंगत बनाया जायेगा 100 रूपये का भता पिछली सरकार ने किया था उस समय हमने कहा था कि 100 रूपये का भता पढे लिखे नौजवानो को देना उनके साथ मजाक है और भते मे समुचित वृद्धि की जायेगी ताकि जरूरतमंदो को कुछ ठोस आर्थिक सहायता प्रदान की जा सके। इसमे कोई मजाक नही है।

22. तीव्र और बेहतर सडक संयोजना हमारी सरकार की प्राथमिकता का एक अन्य क्षेत्र है। राजीय सडको पर यातायात का भार कम करने के लिये निर्माण संचाल हस्तारंण्र बी0ओ0टी0 आधार पर कुण्डली मानेसर पलवल सुपर एक्सप्रैस हाईवे का निर्माण कार्य भाुरू करने की योजना है। इस प्रकार, हमने

एन0सी0आर0 मे राश्ट्रीय राजधानी के साथ बेहतर संयोजना उपलब्ध करवाने के लिये भारत सरकार से अनुरोध किया है कि दिल्ली मैट्रो रेलवे का गुडगाव, कुण्डली, बहादुरगढ तथा फरीदाबाद तक विस्तार किया जाये। ताकि आगे फिरोजपुर झिरका तक पहुच जाये।

16.00 बजे

23. हमे प्रदे ा मे कम हो रहे लिंगानुपात पर गरही चिन्ता है। कन्या भ्रूण हत्या पर प्रभावी ढंग से अंकु ा लगाने के लिये पूर्व प्रजन्न निदान तकनीकी पी0एन0डी0टी0 अधिनियम, 1994 मे समुचित सं ाोधन किया गया है। तथापि, मात्र अधिनियम मे सं ाोधन किये जाने से इस सामाजिक बुराई का पूर्णतः उन्मूलन नही हो पायेगा। इसलिये, गैर सरकारी सगठनो, सामाजिक एवम धार्मिक संगठनो तथा लोगो के सक्रिय सहोयग से लिगांनुपात संतुलन बारे जागरूकता पैदा करने के लिये एक भाा वत अभियान भाुरू किये जाने की आव यकता है ।लोगो मे लिंग संवेदन ाीलता पैदा करने के लिए दूसरी लडकी पैदा होने पर माता पिता को पांच वर्श के लिए 5000 रूपये प्रति वश्र की वितीय सहायता देने तथा जिस परिवार मे एकामात्र संतान लडकी हो, उसे पें ान देने जैसी प्रोत्सान आधारित विभिन्न योजनाये भाुरू करने का प्रस्ताव है और अभी किसी निश्कर्श पर नही पहुचे है। मेरी मुख्यमंत्री जी से और दूसरे साथियो से बात हुई है हम यह भी चाहते है कि हमारी इन योजनाओ का जो सही रू‍प से अनुकरण करेगा तो उन कन्याओ को भविश्य मे रिजर्वे ान देने का भी विचार है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने 33 प्रति ात

महिलाओ की रिजर्वे ान स्कूल अध्यापको मे सुनि चत की है। यह कदम उठाने वाला हरियाणा पहला राज्य है। इससे महिलाओ का स ाक्तिकरण होगा। मुझे वि वास है कि हम इन प्रयासो से लडकी को समाज मे उसका उचित स्थान दिलवाने मे कामयाब होगे ताकि लडकी परिवार के लिये निधि समझी जा सके।

24. मुझे यह घोशणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हरियाणा की महिलाओ को उच्च ि ाक्षा के लिये प्रेरित करने हेतु श्रीमती इन्दिरा गांधी के नाम से जींद मे एक नया राजकीय महिला माहविधालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने महिलाओ के आर्थिक स ाक्तिकरण की दि ाा मे एक अन्य कदम उठाते हुए महिला सहाकारी विकास बैक स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका प्रबन्धन और संचालन केवल महिलाओ द्वारा किया जायेगा। समाज कल्याण के क्षेत्र मे अनेक नई योजनाये भाुरू की गई है, जिनमे कुर्सी बुनकरो के रूप मे कार्यरत नेत्रहीन व्यक्तियो का मासिक अनुसरक्षण भता 1500 रूपये से बढाकर 2000 रूपये कर दिया गया है। इसी प्रकार, अत्यधिक विकंलाग व्यक्तियों की मासिक पे ान भी 300 रूपये से बढाकर 600 रूपये कर दी गई है। अनुसूचित जातियों तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारो की लडकियों के विवाह पर 5100 रूपये की बजाय स्कीम 15000 रूपये की रा ि ा देने की योजना भाुरू की गई है, जिसे इन्दिरा गांधी प्रियद र्ानी विवाह भागुन योजना कहा जायेगा।

25. हमारा प्रयास होगा कि कृशि क्षेत्र को पुनर्गठित कृशि आधारभूत संरचना, फसलो के विविधिकरण जैव प्रौधोगिकी

के प्रयोग बेहतर अनुसंधान एवम विकास सुविधाओ तथा कृशि उपज के लिये सुनि ित विपणन सहायता के द्वारा और ज्यादा लाभदायक बनाया जाये ग्रामीण क्षेत्रो मे रोजगार अवसरो के सृजन से भाहरी क्षेत्रो की और पलायन करने की समस्या पर अकु ा लगेगा। केन्द्र की यू0पी0ए0 सरकार के सांझा न्यूनतम कार्यक्रम के अनुसार आने वाले वर्शो मे कृशि ऋणो मे पर्याप्त वृद्धि किये जाने का प्रस्ताव है। हम किसानो के लाभार्थ इस दायित्व का निर्वाह करने के प्रयास करेगे।

26. कर्मचारियो का कल्याण भी वर्तमान सरकार की एक अन्या प्राथमिकता है। कर्मचारियो की ि ाकायतो के प्रति हमारा दृश्टिगत सहानुभूतिपूर्ण है। कर्मचारियो की वितीय जरूरतो को पूरा करने के लिए भवन निर्माण ऋण, विवाह ऋण तथा वाहन खरीदने के लिये दिये जाने वाले ऋण की रा ि ा मे पर्याप्त वृद्धि की गई है।

27. राज्य सरकार अपने स्वतन्त्रता सेनानियों को भी सर्वाधिक सम्मान देती है, जिन्होने हमारे जीवन को सुखद बनाने के लिये अपने वर्तमान का बलिदान दे दिया। हमने उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने के लिये स्वतन्त्रता सेनानी सम्मान पे ांन 1400 रूपये प्रतिमास से बढाकर 3500 रूपये प्रतिमास कर दी है।

28. राजकोशीय अनु ाासन तथा अनुत्पादक खर्च पर अकु ा लागना हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओ मे से एक है। हमने भाासन की बागडोर सम्भालने के तुरन्त बाद राज्य के

ऋण भार का सज्ञांन लिया और वितीय विवके ीलता के लिये भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिससे हमे वि ोश प्रोत्साहन के रूप मे 55 करोड रूपये की अतिरिक्त रा ि ा मिली इसके अतिरिक्त हमारे राजकोशीय कार्यो मे पारद ि ता, जवाब देही और स्थिरता लाने के लिये विधानसभा के इसी सत्र मे एक राजकोशीय उतरदायित्व तथा बजट प्रबन्ध विधेयक लाया जा रहा है। यह कानून भविश्य मे राज्य सरकार को घाटे व ऋण भार मे कमी का मार्ग अपनाने के लिये प्रतिबद्ध करने के अतिरिक्त एक विवेक ील राजकोशीय नीति के निर्माण मे नीति निर्धारक का मार्गद र्न भी करेगा। इस कानून से राज्य सरकार को कन्द्रीय ऋणों के पुननिर्धारण की वजह से बकाया ऋणों पर कम ब्याज दर के रूप मे भारी राहत मिलेगी। इसके अलावा, अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता मे एक समिति गठित की गई है।

29. अपने राजस्व आधार मे बढौतरी करना, स्थापना खर्च पर अकु ाा लगाना और उधार को केवल वितीय पूंजीगत खर्च तथा प्राथमिकता के क्षेत्रो मे निवे ा तक सीमित रखना, हमारी सरकार का प्रमुख एजैंडा होगा। हमने प्रदे ा मे लाटरी व्यापार पर प्रतिबन्द लगा दिया है, जो प्रदे ा के सामाजिक ढांचे को तबाह कर रहा था हमने किसान और व्यापारी समुदाय के हितो के साथ समझौता किये बिना मूल्य संवर्धन कर वैट प्रणाली को सुव्यवस्थित किया है। हाल ही मै घोशित हमारी आबकारी नीति से भाराब की नीलामी मे एकाधिकार को समाप्त करने मे मदद मिली है, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व मे लगभग 17 प्रति ात की वृद्धि

हुई है। हमारी नई नीति की सफलता चालू वित वर्श के दौरान हुई राजस्व बढोतरी से झलकती है, जो पिछले कुछेक वर्शो की कुल बढोतरी से भी अधिक है इसी प्रकार, राज्य के विभिन्न भागो मे खानो और खदानो की हाल ही मे की गई निलामी से भी राजस्व मे काफी बढोतरी हुई है। ये सब तथ्य राज्य की वर्तमान नीति, जो पारद र्ी, तर्कसंगत और निश्पक्ष है, मे निवे ाको के वि वास को द र्ाता है।

30. उपाध्यक्ष हमने विभिन्न प्लान स्कीमो के अन्तर्गत धनरा ि ा स्वीकृति करने की वितीय भाक्तियों प्र ाासनिक सचिवो को हस्तांतरित की है ताकि इस कार्य मे होने वाली देरी से बचा जा सके। इससे विभागो को काफी राहत मिलेगी तथा वे अपनी नीतियों को और ज्यादा तत्परता से लागू कर सकेगे। इसके अतिरिक्त, हमने निश्पक्षता और पारद ि ार्ता सुनि ि चत करने के लिये सरकार की पुरानी खरीद नीति का त्याग कर दिया है। मै माननीय सदस्यो को आ वासन देता हू कि हम सरकारी धन का विवेकपूर्ण आंबटन करने के लिये अपनी वितीय स्थिति का निरन्तर वि लेशण और इसकी समीक्षा करते रहेगे। मै सरकार की इस मं ाा को स्पश्ट करना चाहूंगा कि हमारी केवल परिव्यय की बजाय उत्पादन मे अधिक रूचि है, जबकि पहले परिव्यय मे रूचि रखने की परिपाटी थी। हम अपनी नीतियों के आम आदमी तक लाभ पहुचने और उनसे जन साधारण को हुई सतुश्टि मे रूचि रखते है। हमने इसके लिये परफार्मेस आडिट प्रणाीली भाुरू कर दी है और इंजीनियरिंग विभागो की प्रगति का मूल्यांकंन करने के लिये बाहरी एजेंसी नियुक्त करने का प्रयास रखा है।

31. हम उपरोक्त नीतियो का अनुसरण करने अपने राजस्व खाते मे पर्याप्त अधि ोश सृजित करने का प्रयास करेगे, जो आने वाले वर्शो मे हमारे योजनागत परिव्यय के लिये उपयोग मे लाये जायेगे।

32. अब मै अपनी विकास गतिविधियों के कुछेक प्रमुख क्षेत्रो पर विचार विम र्ा करना चाहूंगा, जिन्हे वर्श 2005–06 की योजना मे प्राथमिकता दी गई है।

बिजली उपलभ्यता मे वृद्धि

33. बिजली को अर्थ व्यवस्था के विकास की धुरी समझा जाता है। तदनुसार हम राज्य मे सभी वर्गो के उपभोक्ताओ को सुनि ित, भरोसमंद और किफायली बिजली सप्लाई देने के लिये वचनबद्ध है।

34. हम अपने उद्दे ायो की प्राप्ति के लिये अपनी बिजली उत्पादन क्षमता मे बढोतरी करने, सम्प्रेशण और वितरण प्रणाली को सुदृढ करने और बिजली निगमो के कामगाज मे सुधार लाने के लिये ठोस प्रयास कर रहे है। प्रदे ा मे 180 करोड रूपये के निवे ा से उच्च वोल्टेज वितरण, प्रणाली, कृशि लोड को ग्रामीण घरेलू लोड से अलग करने जैसे योजनाये तथा आई0टी0 इनि िाएटिव समेत आधुनिकीकरण के कार्यक्रम भाुरू करने का प्रस्ताव है। हमारी प्राथमिकता केन्द्रीय बिजली उत्पादन स्टे ानो और स्वायत बिजली उत्पादको के साथ दीर्घकालिक बिजली परियोजना समझौते करके राज्य की स्थापित क्षमता मे वृद्धि करना

है। राज्य मे निकट भविश्य मे एक गैस आधारित बिजली उत्पादन स्टे ान करने का भी हमारा प्रयास होगा।

35. माननीय सदस्यो को यह जानकार प्रसन्नता होगी कि आगामी लगभग दो वर्शो मे यमुनानगर ताप पर बिजली घर परियोजनाया से 600 मैगावाट बिजली पैदा होने से राज्य मे बिजली की स्थिति मे काफी सुधार होगा। हिमाचल प्रदे ा, तथा उतरांचल के साथ और सुयंक्त पन बिजली परियोजनाये स्थापित करने के भी प्रयास किये जायेगा।

36. जैसाकि मैने कहा है कि हमारी सरकार राज्य के बिजली उपभोक्ताओ की जायज ि ाकायतो का समाधान करने लिये उत्सुक है। हमने काफी समय से लम्बित बिजली के बकाया बिलो तथा बिजली निगमो के पुररूद्धार व इसकी वितीय स्थिति सुधारने समेत अन्य मुद्दो मैत्रिपूर्ण समाधान ढूढने के लिये एक कैबिनेट सब कमेटी पहले ही गठित कर दी है।

37. हमारी सरकार ने राज्य मे नवीकरण ऊर्जा के संरक्षण व इसके कु ाल प्रयोग के लिये भी अनेक उपाय किये है हम सरकारी भवनो, उधोगो, होटलो, अस्पतालो, महाभोज हालो, जेल बैरको, कैटीनो, आवासीय परिसरो, ि ाक्षा सस्थानो, पर्यटन केन्द्रो, इत्यादी मे सौर ऊर्जा प्रणाली के प्रयोग को बढावा देगे।

वर्श 2005–06 मे, नवीकरणीय ऊर्जा समेत बिजली क्षेत्र के लिये कुल 1708.21 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

जल संसाधनो मे वृद्धि

38. हमारी सरकार किसानो को सिचाई के लिए पर्याप्त मात्रा मे पानी उपलब्ध करवाने के लिये वचनबद्ध है। राज्य मे भूमिगत जल संसाधनो के उपयोग की सम्भावनाये बहुत सीमित है। हमारी सरकार जल संरक्षण और इसके समान व न्यायोचित वितरण पर अधिक बल देती है। इस उद्दे ाय की प्राप्ति के लिए वर्तमान सिंचाई चैनलो की मरम्मत व उनका आधुनिकीकरण करने, रजवाहो की क्षमता बढाने, नई नहरो और चैक डैम्स का निर्माण करने के प्रयास किये जा रहे है। भूमिगत जल स्तर को ऊपर उठाने तथा राज्यो के भुश्क क्षेत्रो, वि ोशतः दक्षिणी भागो के जल सभंरण के लिये विभिन्न नालो के फालतू बरसाती पानी को लाने की भी हमारी योजना है।

39. सरकार सिंचाई प्रणालीकी त्वरित गति से मरम्मत व विस्तार करने के लिये ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास कोश आर0आई0डी0एफ0 के अन्तर्गत नाबार्ड से धन ले रही है। नाबार्ड ने 697.62 करोड रूपये की लागत वाली 585 सिचाई, ड्रैनज तथा जल संभरण योजनाये स्वीकृत की है। वर्श 2005–06 के दौरान, नाबार्ड से वित घोशित सिचाई परियोजनाओ के लिये 76 करोड रूपये के योजनागत परिव्यय की व्यवस्थ की गई है।

वर्श 2005–06 मे, सिचाई क्षेत्र के लिय कुल 922.66 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

सडक एवम पुल सुरक्षित एवम गति ील जीवन का आधार

40. सडके आर्थिक विकास के लिये एक महत्वपूर्ण आधारभूत सरंचना है। हरियाणा मे 23.162 किलोमीटर लम्बी पी0डब्लयू0डी0 सडको का काफी बडा नैटवर्क है, जबकि वर्श 1965 मे राज्य के गठन के समय इनकी लम्बाई केवल 5110 किलोमीटर थी। यातयात मे वृद्धि और अपर्याप्त रख रखाव के कारण हमारी वर्तमान सडको की हालत खराब हो रही है, इसलिये, हमारी सरकार वर्तमान सडको की हालत खराब हो रही है, इसलिये हमारी सरकार वर्तमान सडक तन्त्र के सुधार, उन्नयन एक्सप्रैस मार्ग का निर्माण कार्य निर्माण संचालन हस्तांतरण बी0ओ0टी0 आधार पर करवाने को प्रस्ताव है। यह सडक नैटवर्क की एक प्रमुख परियाजना है, जिसके अन्तर्गत एन0सी0आर0 का काफी क्षेत्र आयेगा और यह परियोजना आधारभूत संरचना की बेहतर सुविधाओ के माध्यम से समृद्धि लायेगी। हमारा बहादुरगढ से पजांब सीमा तक राश्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 10 समेत राश्ट्रीय राजमार्गो को सुदृढ बनाने का भी प्रस्ताव है। हमारे द्वारा जाहजरानी, सडक परिवहन तथा राजमार्ग को सुदृढ बनाने का भी प्रस्ताव है। हमारे द्वारा जहाजरानी, सडक परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार से आग्रह किये जाने के फलस्वरूप राश्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 1 पर पानीपत मे और राश्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 2 पर बदरपुर मे चिरप्रतीक्षित उत्थापित राजमार्गो एलिवेटिड हाईवे का निर्माण कार्य कुछेक महीनो मे भुरू हो जाने की सम्भावना है।

41.अध्यक्ष महोदय, सडक तंत्र के समुचित रख रखाव के सम्बन्ध मे हमारी चिन्ता के दृश्टिगत वर्श 2005–06 मे सडको के

रख रखाव के प्रावधान मे 141.92 करोड रूपये की रिकार्ड वृद्धि की गई है।

42. हमारा चाणक्वपुरी, नई दिल्ली मे स्टेट गैस्ट हाउस का निर्माण कार्य जो पिछले कई वर्शो से लम्बित है को पूरा करने का प्रस्ताव भी है। चालू वित वर्श के दौरान चण्डीगढ मे अतिरिक्त एम0एल0एफ0 फ्लैट्स का निर्माण करने का भी हमारा प्रस्ताव है।

वर्श 2005–06 मे, सडको और भवनो के लिय कुल 636.20 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

परिवहन तन्त्र का आधुनिकीकरण

43. अध्यक्ष महोदय, तेज गति से आर्थिक विकास के लिये एक कु ाल सडक परिवहन तन्त्र का होना आव यक है। राज्य के बस बेडे मे 3265 बसे है, जो प्रतिदिन 11.28 लाख किलोमीटर की दूरी तय करती है और इनमे 11.19 लाख यात्री सफर करते है। हमारी सरकार का बस सेवाओ के स्तर मे सुधार लाने के लिये नई पहलकदमी करने का प्रस्ताव है। चालू वर्श के दौरान, राज्य के बस बेडे मे 600 से अधिक नई बसे भाामिल करने का प्रस्ताव है।

44. माननीव सदस्यो को यह जानकर प्रसन्नता होगी की हम वर्तमान बस अडो और कर्म ाालाओ के नवीकरण तथा पुनर्निमाण पर वि ोश रूप से ध्यान देगे, जिसके लिये चालू वित वर्श के दौरान पर्याप्त प्रावधन किया गया है। चालू वर्श के दौरान कैथल, ढांड, बरवाला और पटौदी मेब स अडो के नये भवनो का

निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा और भूना, नारनौल तथा बहल से बस अड्डो के भवनो का निर्माण भ्रुरू किया जायेगा। हमारा पिपली, रोहतक, और झज्जर के बस अड्डो को अपग्रेड करने का भी प्रस्ताव है। एक अग्रणी कार निर्माता कम्पनी ने हरियाणा मे एक अत्याधुनिक मोटर वाहन ड्राईविंग स्कूल स्थापित करने की पे ाक ा की है। जिससे, हमे आ ाा है, सडक यातयात काफी अनु ाासन आयेगा।

वर्श 2005–06 मे, सडको परिवहन के लिय कुल 691.02 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

पेयजल प्रति व्यक्ति आपूर्ति मे वृद्धि

45. राज्य सरकार को अपने प्रत्येक गांव मे पेयजल उपलब्ध करवाने का गौरव प्राप्त है। अब हम प्रति व्यक्ति पेयजल आपूर्ति मे वृद्धि करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे है। दिसम्बर, 2004 से किये गये ताजे सर्वेक्षण के अनुसार प्रदे ा मे पेयजल की कमी वाले 1971 गांव है, जंहा पेयजल की उपलभयता 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से कम है।

वर्श 2005–06 मे, ऐसे 840 गांव की पेयजल आपूर्ति मे वृद्धि करने का प्रस्ताव है।

46. मेवात क्षेत्र मे 1503 गांवो को पर्याप्त उपलब्ध करवोन का एकमात्र स्त्रोत यमुना के तल मे स्थापित ''रैनीवेल्ज'' है क्योकि ज्यादातर स्थानीय पानी खारा है और पीने योग्य नही है। एन0सी0आर0 योजना बोर्ड ने 205.91 करोड रूपये की लागत

की मेवात रैलीवैल्ज योजना स्वीकृत की है। इस योजना पर पहले ही कार्य भुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त एन0सी0आर0 योजना बोर्ड ने फरीदाबाद, गुडगांव, पानीपत, रिवाडी, रोहतक, झज्जर तथा सोनीपत जिलो के ग्रामीण क्षेत्रो के लिये भी 162.10 करेाड रूपये की लागत की एक पेयजल सवर्धन योजना अनुमोदित की है। हमारी भाहरी क्षेत्रो की पेयजल आपूर्ति मे भी सुधार लाने का प्रस्ताव है।

वर्श 2005–06 मे, जन स्वास्थय के लिये कुल 690.33 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

कृशि क्षेत्र का विविधिकरण एवम आधुनिकीकरण

47. हरियाणा मुख्यतः एक कृशि प्रधान राज्य है, क्योंकि इसकी 75 प्रति ात जनंसख्या कृशि तथा सम्बद्ध गतिविधियो पर निर्भर है। इसलिये, हमारी सरकार अनुसधंान, विस्तार और विपणन सुविधाओ समेत सहायक सेवाओ पर वि ोश ध्यान देते हुए कृशि से सुव्यवस्थित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

48. वर्श 2005–06 के लिये 135.73 लाख टन खाधान्नो के उत्पाद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गन्ना, कपास और तिलहनो के लिये उत्पादन लक्ष्य क्रम ाः 9.90 लाख टन गुड 21. 00 लाख गाठे तथा 12.03 लाख टन निर्धारित किया गया है।

49. अध्यक्ष महोदय, राज्य की वर्तमान फसल पद्धति की पृश्ठभूमि मे भूमि की उपजाउ भाक्ति को बनाये रखने और प्राकृतिक संसाधानो को ह्रास को रोकने के लिये फसलो का

विविधिकरण अत्यन्न आव यक है ।हमने किसानो को फसलो बारे ि ाक्षित करने के लिए वि ोश चेतना अभियान भ्रुरू किया है। परन्तु हम महसूस करते है कि यदि किसानो को वैकल्पिक फसलो से ज्यादा आय सुनि ि चत नही की जाती है तो फसलो का विविधिकरण सफल नही हो सकता।

50. प ुपालन ग्रामीण लोगो की आय मे वृद्धि करने और उनके जीवन सतर को ऊंचा उठाने के लिये एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। राज्य सरकार द्वारा दुधारू प ुओ की आनुवं ाकी मे सुधार लाने और उन्हे रोग मुक्त रखने के लिये महत्वकाक्षी कार्यक्रम भ्रुरू किया गया है। किसानो को उनके घर द्वारा पर ही प ु चिकित्सा सेवाये उपलब्ध करवाने के लिये 198 नये प ु चिकित्सा संस्थान हास्पीटल्ज पाली क्लीनिक्स बनाये जाने का प्रसतव है। वर्श 2005–06 के दौरान, सोनीपत तथा भिवानी मे ऐसे दो पाली क्लीनिक्स तथा पंचकूला मे पालतू जानवरो के लिये एक प ु चिकित्सा केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

51. राज्य के लोगो ने मछली पालन को आय के एक वैकल्पिक साधन के रूप मे अपनाया है। इसलिये, हमारी सरकार मछली पालन को बढाया देने की और उचित ध्यान देगी। प्रति हैक्टेयर मछली उत्पादन की दृश्टि से हरियाणा का दे ा मे दूसरा स्थान है। वर्श 2005–06 के दौराने, हमने 2500 लाख मछली बीज का भण्डारण करने और 48000 टन मछली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

52. अध्यक्ष महोदय, वन पर्यावरण सतुलंन बनाये रखने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। हमारी सरकार वृक्षारोपण को उच्च प्राथमिकता देती है। इस समय राज्य के कुल भौगलिक क्षेत्र के 7. 4 प्रति ात भू भाग पर वन तथा वृक्ष है। ग्रामीण और स्थानीय लोगो के सक्रिय सहयोग से सामुदायिक वानिकी और फार्म वानिकी के अन्तर्गत गांव की भाामलता भूमि और निजि भूमि पर गहर वृक्षारोपण कार्यक्रम भाुरू करने का प्रस्ताव है।

वर्श 2005–06 मे, कृशि तथा सम्बद्ध सेवाओ के लिये कुल 690.33 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

नई उधोग नीति

53. अध्यक्ष महोदय, हरियाणा अपनी भाानदार आधारभूत संरचना, निवे ा के लिये आदे ा वातावरण, श्रमिको और उधोगपतियो के बीच अच्छे सम्बन्धो तथा सहायको व प्रोत्साहनपूर्ण नीतिगत ढांचे की वजह से दे ाी व विदे ाी निवे ाकों की पहली पसन्द के रूप मे उभारा है।

54. सुधार अवधि के दौरान भाुरू की गई निजीकरण व भूमण्डलीकरण की प्रक्रिया आधारभूत संरचनात्मक सुविधाओ तथा व्यापार व उधोग को दिये गये प्रोत्साहनो से दे ा मे निवे ा तथा निर्यात को बढाया मिला है। चालू वर्श के दौरान, हरियाणा की निर्यात 20000 करोड रूपये से भी अधिक हो जाने की सम्भावना है। निर्यात को बढावा देने के लिये जिला गुडगांव के गांव गढी हरसल मे एक वि ोश आर्थिक जोन स्थापित करने का प्रस्ताव है। कुण्डली मानेसर पलवल एक्सप्रैस मार्ग एच0एस0आई0डी0सी0 द्वारा

बनवाने की हमारी योजना है। यह राज्य की सबसे बडी सडक परियोजनाओ मे से एक होगी। एक्सप्रैस के साथ साथ आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र विकसित करने का हमारा प्रयास है। पानीपत मे वर्तमान तेल भाोधक कारखाने के चारो और पैट्रो कैमीकल केन्द्र विकसित करने का भी हमारा प्रस्ताव है।

55. हरियाणा अपने सुदृढ औधोगिक आधार पर उन्नत बुनियादी ढाचे के कारण प्रत्यक्ष विदे ाी निवे ा के लिए एक आदे ा स्थल बन गया है। औधोगिक विकास को बढावा देने के लिये हमारी सरकार का वस्त्र के लिये पानीपत मे, मोटरगाडियो के लिए गुडगांव मे तथा हल्के इंजीनियरिंग सामान के लिए फरीदाबाद मे तीन औधोगिक परियोजना समूह विकसित करने का प्रस्ताव है। हमारा भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय प्लास्टिक तथा इंजीनियरिंग प्रौधोगिकी संस्थान स्थापित करने के लिए प्रस्ताव है।हमने राज्य मे खाध प्रौधोगिकी प्रबन्धन संस्थान स्थापित करने के लिये केन्द्र सरकार आग्रह किया है।

56. सेवा क्षेत्र मे तीव्र के दृश्टिगत तथा राज्य औधोगिकीकरण को और बढावा देने के लिये हमारी सरकार ने अपनी नई उधोग नीति 2005 घोशित कर दी है। हमारी औधोगिकी नीति का मूल उद्दे ाय पिछडे क्षेत्रो उच्चकोटी के बुनियादी ढांचे के निर्माण, रोजगार के नये अवसर सृजित करने तथा निवे ाको के लिये अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाने पर वि ोश बल देते हुए प्रदे ा का संतुलित औधोगिक विका सुनि चित करना है। बुनियादी ढांचाग्रस्त परियोजनाओ मे सरकारी निजी भागीदारी को बढावा देने तथा बडी परियोजनाये

आकर्शित करने के लिये नये औधोगिक नगर विकसित करने पर वि ोश बल दिया जायेगा। इस नीति के तहत कृशि आधारित खाध प्रंसस्करण उधोग तथा साफटवेयर विकास, सूचना प्रौधोगिकी, जैव प्रौधोगिकी, वस्त्र वैज्ञानिक उपकरण इत्यादि जैसे अन्य प्राथमिकता के क्ष़ेत्रो को प्रोत्साहित करने की हमारी प्राथमिकता होगी।

वर्श 2005–06 मे, औधोगिक प्रोत्साहन सेवाओ के लिये कुल 64.15 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

रोजगार तथा व्यावसायिक ि ाक्षा

57. अध्यक्ष महोदय, बढती बेरोजगारी राज्य के सामाजिक ढांचे के लिये गंभीर खतरा बनती जा रही है। सरकारी नौकरियो सीमित है और बडी संख्या मे युवक महसूस करते है कि उनका भविश्य अनि ि चत है। इसलिये, हमारी सरकार राज्य के युवको को लाभादायक रोजगार उपलब्ध करवाने के लिस वचनबद्ध है

58. बेरोगजारी भते की वर्तमान योजना, जिसमे समस्या के समाधान पर समुचित ध्यान नही दिया गया है, को तर्कसंगत बनोन का हमारा प्रस्ताव हैं हम विदे ाो मे रोजगार दिलवाने की प्रणाली भुरू करेगे और प्रमुख औधोगिक भाहर गुडगांव, फरीदाबाद, सोनीपत तथा यमुनानगर मे निजी रोजगार सेवाये उपलब्ध करवायेगे।

59. हमारी सरकार राज्य मे औधोगिक क्षेत्र तथा मानव संसाधन विकास के प्रयासो के बीच तालमेल स्थापित करने की आव यकता महसूस करती है। हमारा उद्दे ाय उधोग और व्यापार की बढती जरूरतो को पूरा करने के लिए उच्चकोटी की तकनीकी जन ाक्ति उपलब्ध करवाना है। इस उद्दे ाय की पूर्ति के लिये राज्य के ऐसे विभिन्न स्थानो पर औधोगिक प्र ाक्षण संस्थान तथा व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान स्थापित करने की हमारी योजना है जहां पहले से ऐसे संस्थान कार्यरत नही है। पांच औधोगिक प्र ाक्षण संस्थानो मे श्रेश्ठता केन्द्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव है ताकि वि ाश्ठ ट्रेडो मे उच्चकोटि की दक्षता उपलब्ध करवाई जा सके। सरकार द्वारा के तकनीकी संस्थानो के उन्नयन मे निजी भागीदारी की सम्भावनो का पता लगाने के लिये हाल ही मे एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की गई है।

ि ाक्षा एवम खेल

60. अध्यक्ष महोदय, मानव संसधान विकास के लिये उच्चकोटी की ि ाक्षा अति आव यक तथापि, जैसाकि मैने अन्तरिम बजट भाशण मे कहा था कि इस क्षेत्र मे गुणवता और आधारभूत संरचना की कमी है, जिससे ि ाक्षा की गुणवता पर ध्यान दिये बिना ि ाक्षा संस्थानो का निर्बाध गति मे विकास हुआ है। इसलिये, हमारी सरकार सबके लिये प्राथमिक ि ाक्षा सुनि ाचित करने, ि ाक्षा सुविधाओ के विस्तार और हर स्तर पर ि ाक्षा की गुणवता मे सुधार लाने पर वि ोश बल देती है।

61. इन उद्दे ायो की प्राप्ति के लिये 6 से 11 वर्श के आयु वर्ग के सभी बच्चो को प्राइम्री स्कूलो मे दाखिल करवाने के भरसक प्रयास किये जा रहे है। हमने सरकारी स्कूलो के 50000 प्रतिभा ाली छात्रो को पुरस्कृत करने हेतू ि ाक्षा मे श्रेश्ठता के लिये राजीव गांधी छात्रवृति नामक एक नई योजना भुरू की है। यह एक अनूठी योजना है, जिसका उद्दे ाय बच्चो के दाखिला मे वृद्धि करना, प्रतिभावना छात्रो को सरकारी स्कूलो की और आकर्शित करना, लडकियों को अपनी ि ाक्षा जारी रखने के लिये प्ररित करना और छात्रो मे एक स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना पैदा करना है। प्राथमिक ि ाक्षा को सार्वभौमिक बनाने के उद्दे ाय की प्राप्ति के लिये केन्द्र द्वारा वित पोशित सर्व ि ाक्षा अभियान कार्यक्रम राज्य मे जारी रहेगा।

62. ि ाक्षा मे गुणवता सुधार लाने के लिये भौक्षणिक निगरानी व्यवस्था को सुदृढ करने, प्रणाली मूल्यकांन प्रणाली भुरू करने तथा लोगो को सक्रिय भागीदार सुनि ि चत करने जैसे विभिन्न कदम उठाये जा रहे है। सहायता प्राप्त उच्चतर ि ाक्षा संस्थान को वितीय दृश्टि मे आत्मनिर्भर संस्थान बनाने के प्रयास किये जा रहे है। स्कूली छात्र कम्प्यूटर दक्षता विकास कार्यक्रम एन0सी0आर0 तथा चण्डीगढ के सीमावर्ती जिलो मे लागू करने का प्रस्ताव है। सरकारी स्कूलो के सभी छात्रो को डैस्क उपलब्ध करवाये जायेगे। राज्य मे प्रत्येक जिले मे एक मांडल स्कूल खोलने का भी प्रस्ताव है।

63. जंहा तक खेलो की बात है हमारी सरकार खेलो और युवा कल्याण गतिविधियो को बढाया देने पर वि ोश ध्यान

देगी। हरियाणा को उत्कृश्ट खिलाडी पैदा करने का गौरव प्राप्त होता है। भाारीरिक रूप से विकंलाग व्यक्तिायों के लिये प्रतिवर्श राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करने की एक नई योजना लागू करने का हमारा प्रस्ताव है ताकि उनमे वि वास और अनु ाासन की भावना पैदा हो सके। हमारी सभी युवा क्लबो को पुनः सक्रिय करने का प्रस्ताव है ताकि उन्हे गांव मे युवा गतिविधियो के एक केन्द्र के रूप मे विकसित किया जा सके। खेलो को बढावा देने तथा खिलाडियो की कु ालता मे सुधार लाने के तौर तरीके सुझाने के लिये एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की गई है।

वर्श 2005–06 मे, ि ाक्षा खेलो, कंला और संस्कृति के लिये कुल 2180.69 करोड रूपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यहां तक नौबत आ गई थी, अभी चार दिन पहले 50 बच्चे मुझे आकर मिले और कहने लगे कि हमे बचाओ। मैने कहा क्यो क्या हुआ। वे कहने लगे कि हम खेल के झठे सर्टीफिक देकर पिछली सरकार के समय नौकरी लगे थे। अब लग गये तो हमे क्यो निकाल रहे हो। इस तरह की अनियमितताए पिछली सरकार के समय मे हुई है।

समाज के कमजोर वर्गो का सामाजिक आर्थिक उत्थान

64. हमारी माननीय वयोवृद्ध नागरिको, विधवाओ, विकालागों और समाज के वंचित वर्गो को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये वचनबद्ध है। हम महिलाओ और बच्चो के विकास और उनके स्तर मे सुधार लाने पर भी बराबर रूप से ध्यान देगे।

65. जैसाकि मैने अपने भाशण के भ्ाुरू मे जिकर किया है कि लिंगानुपात मे हो रहा असतुलन हमारे लिये एक गभ्ीर चिन्ता का मामला है। प्रोत्साहन आधारित योजनाये लागू करने तथा स्कूली बच्चाो मे जागरूकता पैदा करके लोगो की मानसिकता मे परिवर्तन लाये जाने की आव यकता है। अपने उद्दे ायो की प्राप्ति के लिये लिंग सवेदन ीलता प्रि ाक्षण, कार्यक्रम, संचार तथा प्रचार, महिला मण्डलो को स्वंय सहायता ग्रुपो मे परिवर्तित करने, सर्वोतम माता पुस्कार, महिलाओ के लिये खेल प्रतियोगिता तथा ग्रामीण कि ाोरियों के लिये पुरस्कार इत्यादि की विभिन्न नई योजनाये भ्ाुरू करने का हमारा प्रस्ताव है।

वर्श 2005–06 मे, इस क्षेत्र के लिये कुल 737.79 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

स्वास्थय सेवाओ मे सरकारी निजी हिस्सेदारी

66. अध्यक्ष महोदय, स्वास्थय मानव संसाधन विकास का एक महत्वपूर्ण सकेतम है। इसलिये हमारी सरकार हरियाणा के लोगो के स्वास्थय मे सुधार लाने के लिये प्रतिबद्ध है।

67. हमारी सरकार स्वास्थय के बुनियादी ढाचें के विकास पर वि ोश बल दे रही है। हमारा इरादा राज्य के सभी स्वास्थय केन्द्रो मे आधुनिक उपकरण, पर्याप्त मात्रा मे दवाईया तथा अन्या बुनियादी सुविधाये उपलब्ध करवाने का है। हम वर्तमान अस्पताल भवनो के समुचित रख रखाव के लिये प्रयासरत है, जिसके लिये चालू वर्श के बजट मे पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

68. प्रदे ा मे 24 घण्टे प्रसूति सेवायें तथा आपतकालीन प्रसूति सेवाये उपलब्ध करवाने के लिये पहली अप्रैल, 2005 से प्रजनन तथा बाल स्वास्थय कार्यक्रम आर0सी0एच0–11 का द्वितिय चरण भाुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्दे ाय मातृ मृत्यु दर, ि ाु मुत्यृ दर, फलवता दर इत्यादि जैसे स्वास्थय सकेंतको मे सुधार लाना है।

69. वर्श 2005–06 के दौरान, नई विभिन्न स्वास्थय योजनाये भाुरू करने का हमारा प्रस्ताव है। ताकि प्रदे ा मे उच्चकोटि की पर्याप्त स्वास्थय सेवाये उपलब्ध करवाने के लिए स्वास्थय तन्त्र को सुदृढ किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रो अथवा भाहरी मलिन बस्तियों मे रहने वाले गरीब लोगो, वि ोशतः किसान और श्रमिको जो दिन के समय अपने खेतो और कार्य स्थल पनर व्यस्त रहते है, को नई योजना मार्गद ीं आधार पर भाुरू की जायेगी। हमारा सस्थागत प्रसुति के लिये 300 गांवो मे प्रसूति हट्स स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। मेवात क्षेत्र मे रहने वाले लोगो की स्वास्थय सम्बन्धी जरूरतो को चलती फिरती चिकित्सा यूनिटो तथा बहु वि ोशज्ञतार स्वास्थय ि ाविरो के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है।

वर्श 2005–06 मे, चिक्तिसा ि ाक्षा तथ वैकल्पिक पद्धति समेत स्वास्थय सेवाओ के लिये कुल 468.29 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

ग्रामीण विकास एमव पंचायते

70. हमारी सरकार की ग्रामीण क्षेत्रो के विकास मे गहरी रूचि ह। इसलिये, हम ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा इसके उन्नयन पर वि ोश बल देते है। साथी ही ग्रामीण क्षेत्रो मे गरीबी उन्मूलन करने तथा रोजगार के अवसर जुटाने के लिये राज्य तथा केन्द्र द्वारा वित पोशित विभन्न योजनपाओ क्रियान्वित की जा रही है। स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्व रोजगार योजना एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसक अन्गर्तत स्व रोजगार के सभी पहलू आते है। वर्श 2005–06 के दौरान, इस योजना पर 16 करोड रूपये की रा ि ा खर्च की जाती। राश्ट्रीय सम विकास योजना पिछडे जिलो के लिये एक नई योजना है, जिसके लिये धन की व्यवस्था केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है।

71. वर्श 2005–06 के दौनान, विभिन्न पंचायती राज संस्थाओ का विभिन्न स्त्रोतो के माध्यम से पर्याप्त वितीय सहायता उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव है। पंचायती राज संस्थाओ को अनके प्र ाासनिक और वितीय अधिकार दिये गये है ताकि वे विकास प्रक्रिया मे अपना योगदान दे सके। और प्रजातात्रिक प्रणाली सुदृढ हो सके। द्वितिय राज्य वित आयोग की सिफारि ाो जिन पर राज्य सरकार द्वारा सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है, पर लिये जाने वाले निर्णय के अनुसार इन निकायो को और ज्यादा कार्यो तथा भाक्तियों का हस्तातरंण किया जायेगा।

वर्श 2005–06 मे, विभिन्न ग्रामिण कार्यक्रमो के लिये कुल 277.49 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

नगरपालिका प्र ाासन और नगर विकास

72. अध्यक्ष महोदय, नगरपालिका स्थानीय भाासन की महत्वपूर्ण यूनिटे है इसिलये, हमारी सरकार भाहरी क्षेत्रो के समेकित विकास तथा भाहरी लोगो के कल्याण के प्रति भी उतनी ही चिन्तित है।

73. हमारी सरकार की नगरपालिकाओ की वितीय सुदृढ करने मे भी रूचि है, जिसके बिना ये कोई भी विकास कार्य नही कर सकती। वर्श 2005–06 के दौराने बारहवे वित आयोग की सिफारि ाो के अनुसार भाहरी स्थानीय निकायो को विकास कार्यो के लिये 18.20 करोड रूपये का वार्शिक अनुदान उपलब्ध करवाया जायेगा। भाहरी ग्रामीण मि ान के अर्न्गत भाहरी स्थानीय निकायों को भाहरी बुनियादी ढांचा सुदृढ बनाने के लिये 47.30 करोड रूपये की वितीय सहायता दी जायेगी। हम द्वितीय वित आयोग द्वारा सिफारि ा किये गये वितीय अन्तरण की जांच कर रहे है और इन निकायो को राज्य के बजट के तदर्थ आधार पर 50 करोड रूपये की रा ि ा हस्तातरिंत करने का प्रस्ताव है।

74. हमारी सरकार भाहरी क्षेत्रो मे रहने वाले समाज के गरीब तथा कमजोर वर्गो के लोगो को बाल्मीकि अम्बेडकर आवास योजना के अन्तर्गत आवास तथा स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध करवाने के लिय वचनबद्ध है।

वर्श 2005–06 मे, भाहरी विकास की सेवाओ के लिये कुल 167.70 करोड रूपये का परिव्यय रखा गया है।

पारद र्ी एवम प्रभावी सेवा अन्तरण प्रणाली के लिये इलैक्ट्रानिक प्र ाासन

75. सूचना प्रौधोगिकी की राज्य के समाजिक आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये, हमारी सरकार सूचना प्रौधोगिकी क्षेत्र के विकास को अत्यधिक महत्व देती है। हमारी आई0टी0 इनि ाएटिव की प्रमुख प्राथमिकता पारद ार्िता तथा कु ाल सेवा अनतरण के लिये लोक केन्द्रीत सेवाये उपलब्ध करवाना है। सूचना प्रौधोगिकी विभाग ने प्रदे ा मे प्रौधोगिकी पार्को व प्रौधोगिकी नगरो की स्थापना के लिए एक व्यापक नीति तैयार की है ताकि इस क्षेत्र मे निवे ा को आकर्शित किया जा सके।

बजट अनुमान 2005–06

76. अध्यक्ष महोदय अब मै इस गरिमामय सदन के सम्मुख वर्श 2005–06 के बजट अनुमान प्रस्तुत करता हू।

77. वर्श 2005–06 मे, भारतीय रिजर्व बैक, के खातो अनुसार 215.97 करोड रूपये की रा ि ा के घाटे के साथ आरम्भ हुआ और इसी 242.36 करोड रूपये के घाटे के साथ समाप्त होने की सम्भावना है।

78. बजट अनुमान वर्श 2005–06 के अनुसार इस वर्श की 242.36 करोड रूपये के घाटे के साथ आरम्भ होने और 294. 03 करोड रूपये के घाटे के साथ समाप्त होने की सम्भावना है। इस प्रकार, वर्श के दौरान हुआ लेन देन 51.57 करोड रूपये के घाटे को द ार्िता है।

79. वर्श 2005–06 के बजट अनुमानों मे राज्य के समेकित कोश मे कुल प्राप्तियों 1613012 करोड रूपये की दिखाई गई है, जबकि गत वर्श के सं ाोधित अनुमानो मे ये 1576734 करोड रूपये की थी। प्रस्तावित बजट मे 1613742 करोड रूपये का करोड रूपये का खर्च दिखाया गया है, जबकि वर्श 2005–06 मे, के सं ाोधित योजनाओ और अन्य विकास योजनाओ के लिये 394.48 करोड रूपये का परिव्यय के अतिरिक्त राज्य योजना के लिये 3000 करोड रूपये का परिव्यय का प्रावधान है।

80. वर्श 2005–06 मे, के बजट अनुमानो मे राजस्व प्राप्तियों 648.75 करोड रूपये की वृद्धि के साथ 120327 करोड रूपये हो जाने की सम्भावना है, जबकि पिछले वर्श के सं ाोधित अनुमानो मे ये 11388.52 करोड रूपयो की थी। वर्श 2005–06 के बजट अनुमानो मे 12985 करोडो रूपये का राजस्व खर्च अनुमानित है, जो वर्श 2005–06 मे, के सं ाोधित अनुमानो मे 1161432 करोड रूपये के खर्च से 1371.12 करोड रूपये अधिक है।

81. अध्यक्ष महोदय, हमने बजट घाटे को प्रबन्ध सीमा मे रखा है और वितीय अनु ाासन के लिये मेरे द्वारा प्रस्तावित उपायो से घाटे को नियन्त्रित करने मे मदद मिलेगी।हमे आ ाा है कि राश्ट्रीय अर्थ व्यवस्था मे सुधार के परिणामस्वरूप वर्श के दौरान हमारे कर राजस्व मे पर्याप्त वृद्धि होगी। इसलिये, बजट मे नया कर लगाने का हमारा कोई प्रस्ताव नही है। थपिंग मुझे आ ाा है कि हम अपने योजना कार्यक्रमो को सफलतापूर्वक लागू करके प्रस्तावित योजनागत परिव्यय का पूरा उपयोग करने मे सफल होगे।

82. इस भाशण को समाप्त करने से पहले मै वित विभाग तथा एन0आई0सी0 के अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद करना चाहूगा, जिन्होने अथक परिश्रम करके इस बजट प्रस्तावो को तैयार करने मे मेरी सहायता की है।

83. महोदय अब मै वर्श 2005–06 के बजट अनुमानो को इस गरिमामय सदन के विचार तथा अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करता हू।

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 2-00 P.M Monday, the 13th June, 2005.

17.02 Hours.

(The Sabha then adjorned till 2-00 P.M Monday, the 13th June, 2005.)